RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 150 , सोमवार, 13 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

घोड़ासहन पुलिस का समकालिक अभियानः वारंटी, इश्तहारी व पियक्कड़ों समेत 9... 03

बलिराम भगत महाविद्यालय में कला उत्सव का भव्य आयोजन 04

कई प्रोजेक्टस ठुकराने पर बोलीं अनुपमा की अद्रिजा रॉय मैं इंतजार... 07

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक मामले में बड़ा खुलासा

- जूतों में छिपाकर बाहर लाया गया था टीईटी का पेपर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में 28 जून 2026 को आयोजित होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2026 पेपर लीक के चलते एक दिन पहले यानी 27 जून को रद्द कर दी गई थी। अब इस परीक्षा को दोबारा आयोजित कराया जाएगा जिसकी नई तारीख का ऐलान होना बाकी

है, लेकिन पेपर लीक की जांच के बीच कुछ नए खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र टीईटी का पेपर आगरा के उस प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुआ था जहां इस पेपर की छपाई होनी थी। बता दें कि यह परीक्षा 28 जून को 1028 सेंटर्स पर आयोजित होनी थी 6 लाख से अधिक उम्मीदवार इस परीक्षा में शामिल होने थे। रिपोर्ट के मुताबिक, 15 और 17 जून के बीच प्रिंटिंग प्रेस के एक एम्प्लॉई ने क्वेश्चन पेपर्स की मुड़ी हुई कॉपियां अपने जूते के सोल के नीचे छिपाकर प्रिंटिंग प्रेस से बाहर निकाली थी।

पहलगाम में बादल फटा उत्तराखंड में लैंडस्लाइड

- पहाड़ों के लिए आफत बनी बारिश,सड़क बही-खेत बर्बाद

श्रीनगर (एजेंसी)। पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में

लैंडस्लाइड हो गई। कई वाहन और मशीनें मलबे में दब गईं। उधर, देश के लगभग 70 फीसदी हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है। बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के राज्यों में तापमान बढ़ गया। श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री रहा।

पीएम के पंजाब दौरे से पहले ट्रेन में खालिस्तानी नारे

- आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी किया,खालड़ा का भी जिक्र

जालंधर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने जारी किया है। वीडियो में दिल्ली जाने वाली एक ट्रेन के डिब्बों पर खालिस्तान जिंदाबाद और मोदी मुर्दाबाद जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं। एसएफजे के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर पंजाब में आतंकवाद के दौर के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की विरासत का जिक्र करते हुए कथित एनकाउंटर मामलों को उठाया। हालांकि,हमारा अखबार पन्नू के वीडियो की पुष्टि नहीं करता। जसवंत सिंह खालड़ा पर ही दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज बनी थी, जिसे रिलीज होने के दूसरे दिन ही हटा दिया गया था और अब पूरी तरह से बैन कर दिया गया है। इधर, वीडियो सामने आने के बाद खुफिया एजेंसियां स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं। पुलिस उन लोगों की पहचान करने में जुटी है, जिन्होंने रात के अंधेरे में ट्रेन के डिब्बों पर ये नारे लिखे। पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी किया है।

अगले साल से पटरी पर दौड़ेगी देश की पहली बुलेट ट्रेन

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कर दी बड़ी घोषणा

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन जल्द ही पटरी पर दौड़ेगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को घोषणा की कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच पहली बुलेट ट्रेन का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन अगले साल शुरू किया जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगले साल, हम मुंबई-अहमदाबाद रूट पर सूरत और बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन शुरू करेंगे। इसके बाद, एक-एक करके, हम वापी से सूरत, फिर वापी से अहमदाबाद, फिर अहमदाबाद से ठाणे और फिर अहमदाबाद से मुंबई तक का काम पूरा करेंगे। रेल मंत्रालय ने वैष्णव के बयान का एक वीडियो पोस्ट किया और उसके साथ मंत्री का एक कोट भी लिखा। इसमें लिखा था, भारत की पहली बुलेट ट्रेन अपने अगले चरण में प्रवेश कर रही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पुणे और हैदराबाद के बीच का पहला प्रोजेक्ट यात्रा के समय को घटाकर दो घंटे कर देगा, हैदराबाद से मुंबई की यात्रा का समय 2 घंटे 50 मिनट हो जाएगा, हैदराबाद से अमरावती का सफर 1 घंटे 10 मिनट का हो जाएगा, हैदराबाद से चेन्नई का सफर 3 घंटे का होगा, और हैदराबाद से बेंगलुरु का सफर 2 घंटे 35 मिनट का हो जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने यह भी कहा कि तीन बड़े बुलेट ट्रेन कॉरिडोर शुरू होने से हैदराबाद एक हाई-स्पीड हब बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आवंटित 5,400 करोड़ का भारी-भरकम रेलवे बजट तेलंगाना में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। मंत्री ने कहा,पुणे से हैदराबाद, हैदराबाद से चेन्नई और हैदराबाद से बेंगलुरु - यह पूरे क्षेत्र के लिए एक बड़ा गेम-चेंजर साबित होगा। हैदराबाद हाई-स्पीड हब बन जाएगा।

नए रूट्स का भी ऐलान

हैदराबाद को मिलेंगे नए कॉरिडोर

बंगाल में 20 साल बाद टाटा की वापसी संभव

सीएम शुभेंदु अधिकारी खुद मामले को देख रहे

ममता बनर्जी के आंदोलन से बंद हुआ था प्लांट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के सिंगूर में करीब दो दशक पहले टाटा की नैनो परियोजना को लेकर शुरू हुआ विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद टाटा समूह की सिंगूर में वापसी को लेकर चर्चा तेज हो रही है। राज्य के उद्योग मंत्री तापस रॉय ने कहा कि टाटा के साथ शुरुआती स्तर पर बातचीत चल रही है। अगर टाटा ग्रुप लौटने को तैयार होता है तो सरकार वहां किसी दूसरी कंपनी को नहीं लाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि, जिन किसानों ने 2006 में नैनो के लिए अपनी जमीन दी थी, उनके लिए यह अधूरा सपना है।

997 एकड़ जमीन बेकार हो रही

वर्तमान में सिंगूर की वह 997 एकड़ जमीन, जहां कभी नैनो परियोजना शुरू हुई थी, बड़े हिस्से में झाड़ियों से ढकी पड़ी है। कभी यह इलाका पश्चिम बंगाल की सबसे उपजाऊ कृषि भूमि माना जाता था, जहां धान, आलू और अन्य फसलें होती थीं। लेकिन परियोजना रुकने के बाद खेती भी प्रभावित हुई और बड़ी संख्या में किसान रोजगार की तलाश में दूसरे क्षेत्रों में चले गए। हालांकि, सिंगूर में सभी लोग टाटा की वापसी के पक्ष में नहीं हैं। सिंगूर कृषि रक्षा समिति के प्रमुख सदस्य प्रबीर पात्रा का कहना है कि उनका विरोध उद्योगों से नहीं था।

टाटा को जमीन देने के लिए तैयार हैं लोग

75 साल की अंगूर दास बताती हैं कि उनके पति ने छह बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। टाटा के जाने के बाद वे गहरे सदमे में चले गए और वर्ष 2019 में उनका निधन हो गया। अंगूर दास कहती हैं कि यदि टाटा दोबारा लौटती है तो वे अपनी बची हुई जमीन भी देने को तैयार हैं। जब सिंगूर आंदोलन चल रहा था तब अनिद्य दास महज 12 साल के थे। आज 32 साल के अनिद्य को रोजगार के लिए कोलकाता जाना पड़ता है। उनका कहना है कि यदि फैक्ट्री लग गई होती तो उन्हें रोज शहर जाकर नौकरी नहीं करनी पड़ती। उनके पिता ने भी जमीन दी थी, लेकिन आज वह जमीन भी खेती के योग्य नहीं बची है। खासेरभेड़ी गांव के स्वरूप दास ने भी दो बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। वे बताते हैं कि मुआवजा मिलने के बाद वे दुबई चले गए थे, जबकि उनके दोनों भाइयों का चयन टाटा ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रशिक्षण के लिए किया था। उत्तराखंड में ट्रेनिंग शुरू हो चुकी थी और नौकरी की उम्मीद भी थी, लेकिन परियोजना बंद होने के साथ सारे सपने टूट गए।

सीएम सम्राट ने मुजफ्फरपुर को दी 1047 करोड़ की सौगात

- आर्किटेक्चर और सिविल इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय बनाने की घोषणा

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को मुजफ्फरपुर जिले को 1047 करोड़ रुपये की सौगात दी। इस मौके पर उन्होंने मुजफ्फरपुर के एमआईटी कॉलेज में आर्किटेक्चर और सिविल इंजीनियरिंग

विश्वविद्यालय बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि विकसित भारत का रास्ता विकसित बिहार से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 12 शहरों में पटना के कंकड़बाग की तर्ज पर सैटेलाइट सिटी विकसित करेगी, जिससे शहरी विकास को नई गति मिलेगी।

विकास की गति बनाए रखने सभी का सहयोग जरूरी

सम्राट चौधरी ने कहा कि बाबा गरीबनाथ की पावन धरती पर 1,047.09 करोड़ रुपये की 982 विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं जिले के विकास को नई दिशा देंगी। मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकार के तालमेल की चर्चा करते हुए कहा कि समृद्ध बिहार और विकसित भारत का रास्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की जोड़ी से होकर जाता है।

संसद सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

- विपक्ष के साथ आने वाले बिलों को लेकर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले ठीक एक दिन पहले सरकार 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक करने जा रही है। बैठक में इस सत्र के दौरान होने वाली महत्वपूर्ण चर्चा की योजना को लेकर बातचीत की जा सकती है। सर्वदलीय बैठक में सरकार विपक्ष को यह भी बताएगी कि इस सत्र में कौन से बिल पेश किए जा सकते हैं। संसद सत्र के एक दिन पहले यानी 19 जुलाई को होने वाली सर्वदलीय बैठक का समय सुबह 11 बजे निर्धारित किया गया है। दरअसल, सरकार मानसून सत्र को सुचारु रूप से संचालित करना चाहती है।

अमेरिका के हवाई हमले के बाद भड़का ईरान

गालिबाफ बोले-एकतरफा समझौतों का दौर खत्म हो चुका

तेहरान (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच हवाई हमले बढ़ गए हैं। टकराव की रफ्तार में इजाफा पूरी दुनिया के लिए चिंता की वजह बना हुआ है। इस बीच ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने स्पष्ट किया कि अब एकतरफा समझौतों का दौर खत्म हो चुका है। अपने कड़क और तीखे तेवरों के लिए पहचाने जाने वाले गालिबाफ ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर लिखा, हमने पहले ही कहा था- वादा

निभाओ, नहीं तो कीमत चुकाओ। अब हकीकत सामने है। उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ अमेरिका-ईरान समझौता मसौदे के अनुच्छेद-5 की तस्वीर भी साझा की। यह अनुच्छेद होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने से जुड़ा है। इसी को लेकर विवाद बढ़ा और उसने फिर से सैन्य टकराव का रुख अख्तियार कर लिया है। इस बीच, ईरानी सेना ने अमेरिका से जून में हुए समझौते (एमओयू) का पालन करने को कहा है।

अमेरिका और ईरान के एक-दूसरे पर हमले

अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने भी गल्फ क्षेत्र में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। रविवार को बहरीन में अमेरिकी सैन्य अड्डे से धुआं उठता दिखाई दिया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में बेस के ऊपर धुएं का गुबार नजर आ रहा है। एजेंसी ने दावा किया कि उसने जॉर्डन में एक अमेरिकी कमांड कंट्रोल यूनिट और ड्रोन हैंग को तबाह कर दिया। इससे पहले ईरान ने सुबह दावा किया था कि उसने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाया है। बहरीन में भी मिसाइल अलर्ट जारी किया गया और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया था। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने रविवार सुबह बताया कि उसने ईरान के 140 सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं।

इंफाल में मैतेई लोगों के घरों में भीषण आगजनी

- मणिपुर में फिर से भड़की हिंसा कई घर जलाए

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर की राजधानी इंफाल के पश्चिमी क्षेत्र में मैतेई समुदाय के लोगों के घरों को जलाने की घटना के बाद इलाके में तनाव पैदा हो गया है। आगजनी की इस घटना के बाद पीड़ित समुदाय के करीब 600 लोगों के समूह ने पथराव करना शुरू कर दिया।

कांतो सबल इलाके में शनिवार को हुई इस घटना के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। सुरक्षा बलों ने टकराव से बचाव के लिए गश्त बढ़ा दी है और लोगों को एकत्रित नहीं होने दे रहे हैं। बताया गया है कि आगजनी की घटना में ज्यादातर उन घरों में आग लगाई गई जो खाली पड़े थे।

6 साल बाद फिर शुरू होगा भारत-म्यांमार सीमा व्यापार

लिपुलेख दर्रे से ट्रेड को लेकर चीन की तैयारी हुई तेज

डिब्रूगढ़/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और म्यांमार के बीच रिश्तों को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पैंगसाऊ दर्रे पर भारत और म्यांमार के बीच सीमा व्यापार फिर शुरू होने की तैयारी है। करीब छह साल से अधिक समय से ये बंद चल रहा था। हालांकि, अब दोनों पक्षों के व्यापारिक संगठनों की बैठक के बाद 20 जुलाई को फिर से शुरू होने जा रहा है। फ्री मूवमेंट रिजीम के तहत सीमा-पार व्यापार से बॉर्डर के दोनों ओर 10 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को स्थानीय व्यापार और सीमा-पार लेन-देन करने की अनुमति मिलती है।

कोविड के दौरान बंद हुआ ट्रेड लिंक

कोविड-19 महामारी के कारण 3 फरवरी, 2020 को बंद किए गए इस ट्रेड लिंक को खोलने का निर्णय लिया गया। ये फैसला स्थानीय व्यापार प्रतिनिधियों और म्यांमार में उनके समकक्षों के बीच 9 जुलाई को अरुणाचल के चांगलांग जिले में व्यापार फिर से शुरू करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए हुई बैठक के बाद लिया गया।

नए बाजार के लिए इंतजार कराया

इस साल की खास बात यह थी कि 2020 में धारचूला-लिपुलेख सड़क के पूरा होने के कारण व्यापारी खच्चरों के बजाय सड़क मार्ग से लिपुलेख तक सामान ले जा सकते थे। हालांकि व्यापार का मौसम आधिकारिक तौर पर 1 जून को शुरू हुआ था, लेकिन भारतीय पक्ष में तैयारियां महीने के अंत तक ही पूरी हो पाईं। भारतीय व्यापारियों को 8 जुलाई को दर्रा पार करना था। लेकिन, धारचूला के एसडीएम और ट्रेड ऑफीसर आशीष जोशी ने बताया कि उन्हें 7 जुलाई को अपने चीनी समकक्ष से एक ईमेल मिला, जिसमें कहा गया था कि नया मार्केट प्लेस और वेयरहाउस अभी बन रहे हैं।

पैंगसाऊ दर्रे से शुरू होगा ट्रेड

भारतीय पक्ष के एक स्थानीय व्यापार संगठन के अध्यक्ष जोंगखम मोरांग ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इससे महामारी के दौरान खोई हुई आजीविका वापस आएगी। स्थानीय विधायक लैसम सिमाई ने कहा कि सीमा व्यापार के फिर से शुरू होने से बेहतर व्यापारिक अवसर पैदा होंगे। छोटे व्यापारियों और निवासियों की आजीविका में सुधार होगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा मिलेगा। बॉर्डर हाट हर महीने की 10, 20 और 30 तारीख को चलेगी। रिपोर्ट के अनुसार, भारत-चीन सीमा व्यापार का मौसम आधिकारिक तौर पर शुरू होने के एक महीने से अधिक समय बाद भी लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा-पार व्यापार शुरू नहीं हो पाया है। चीनी अधिकारियों ने भारतीय व्यापारियों से तिब्बत के तकलाकोट में एक नए बाजार और गोदाम का निर्माण पूरा होने तक इंतजार करने को कहा है। कोविड-19 के कारण 2020 में लिपुलेख के माध्यम से सीमा व्यापार को निलंबित कर दिया गया था और छह साल के अंतराल के बाद इसे फिर से शुरू किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में महिला होमगार्ड को अगवा कर रेप, बीच बाजार से उठाया, बेहोशी की हालत में मिली

हाजीपुर। बिहार पुलिस की नाक के नीचे बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया है। वैशाली में एक महिला सिपाही को सरेआरम अगवा कर उसके साथ रेप किया गया। महिला होमगार्ड को बेहोशी की हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी छोटी बहन के साथ भी छेड़खानी की गई है। आरोपी की पहचान गांव के ही सुबोध पासवान के रूप में हुई है। सुबोध पासवान पहले युवती का फिजिकल ट्रेनर था। इसी दौरान उसने युवती की अश्लील तस्वीरें खींच ली थी। जिसके जरिए वो लगातार महिला होमगार्ड को ब्लैक मेल कर शादी करने का दबाव भी बना रहा था। बताया जाता है कि आरोपी पहले से शादीशुदा है और 3 बच्चों का पिता है। घटना गौरल थाना क्षेत्र के एक गांव की है। महिला होमगार्ड की छोटी बहन के मुताबिक दोनों बहन साइकिल से शुक्रवार को बाजार गई थीं। हमलोग सामान खरीद रहे थे, तभी हमें शक हुई कि कोई लड़का उनका पीछा कर रहा है। सामान खरीदने के बाद हम दोनों बहनें साइकिल से घर लौटन लगे। तभी रास्ते में जो लड़का पीछा कर रहा था उसके साथ एक सुबोध पासवान ने हमारा रास्ता रोक लिया। वो मेरी बहन के साथ जबरदस्ती करने लगा। गांव के ही एक आदमी ने हम दोनों को बचाने की कोशिश की लेकिन दोनों ने उनके साथ भी मारपीट की। सुबोध पासवान मेरी बहन को जबरन अपने घर ले गया। वो मेरी बहन को कमरे में ले गया, और मुझे धक्का देकर कमरे से बाहर किया। मैं वहां से किसी तरह भाग निकली और घर वालों को इसके बारे में पूरी जानकारी दी। मेरी मां ने फौरन पुलिस को फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी के घर से मेरी बहन को बेहोशी की हालत में बरामद किया और अस्पताल में भर्ती कराया। सुबोध का भाई टुनटुन भी इस घटना में शामिल था। वहीं घटना के चश्मदीद देवनाथ साहनी ने बताया कि मैं बाजार से लौट रहा था। मेरी साइकिल के आगे दोनों बहनें साइकिल चला रहा थीं। अचानक दो लड़के आए और दोनों बहनों के साथ मारपीट करने लगे। मैंने जब विरोध किया तो दोनों युवकों ने साइकिल मेरे फेंक दी और कहा कि यहां से निकल जाओ।

डबल मर्डर, आर्मी जवान-पिता की गोली मारकर हत्या, रास्ते को लेकर भतीजे से था विवाद

हाजीपुर। वैशाली में रविवार की सुबह डबल मर्डर की वारदात को अंजाम दिया गया है। बाप-बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतकों की पहचान मुनारिक राय (60) और उनके बेटे जितेंद्र कुमार (35) के रूप में हुई है। जितेंद्र कुमार भारतीय सेना में जवान थे। आरोपी की पहचान जगदीश राय के रूप में हुई है। वारदात बिदुपुर थाना इलाके की है। बताया जाता है कि आरोपी भतीजा जगदीश राय और मुनारिक राय के बीच जमीन को लेकर विवाद था।

दोनों एक ही मकान में रहते थे। जगदीश ने अपने चाचा मुनारिका के घर से निकलने का रास्ता कुछ दिनों पहले बंद कर दिया था। जिसके बाद चाचा ने पुलिस से शिकायत की थी। डायल 112 की पुलिस आई थी, लोगों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया था। उस वक्त भतीजे ने रास्ते खाली करने की बात मानी पर रास्ते को खाली नहीं किया था। पड़ोसियों का कहना है कि जितेंद्र के आने के बाद भतीजे जगदीश राय ने फिर से जमीन विवाद को लेकर अपने चाचा से लड़ाई शुरू कर दी। शनिवार की रात में जगदीश राय और मुनारिक राय के बीच विवाद हुआ था। जगदीश राय ने कहा था कि वो मुनारिक राय का मर्डर कर देगा। पिता पर फायरिंग की बात सुनकर मुनारिक राय के बेटे जितेंद्र कुमार भी मौके पर पहुंचे। जगदीश राय ने जितेन्द्र को गोली मार दी। घटनास्थल पर बिदुपुर थाने के पुलिस अधिकारी आदित्य कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मौके से जिंदा कारतूस और खोखे बरामद किए गए हैं। FSL की टीम भी जांच में जुटी है।

4-बच्चों की मां का बॉयफ्रेंड के घर से मिला शव, 4 महीने से रह रही थी साथ, पलंग के नीचे मिली बॉडी

हाजीपुर। वैशाली के तिसिऔता थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव में शनिवार को एक विवाहिता का शव उसके प्रेमी बिरजू कुमार के घर से बरामद किया गया। शव पलंग के नीचे से मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान तिसिऔता धर्मपुर गांव निवासी सिराती देवी(34) के रूप में हुई है। वो चार बच्चों की मां थीं। ग्रामीणों के अनुसार, सिराती देवी लगभग तीन-चार महीने पहले अपने प्रेमी बिरजू कुमार के साथ घर छोड़कर चली गई थी। उनके पति पवन महतो बाहर मजदूरी करते हैं। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि सिराती देवी घटना से एक दिन पहले ही बिरजू कुमार के साथ उसके घर आई थीं। शनिवार दोपहर शव मिलने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। तिसिऔता थानाध्यक्ष राजेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। महुआ एसडीपीओ संजीव कुमार ने भी मौके का निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। एसडीपीओ संजीव कुमार ने पुष्टि की कि शव घर के अंदर पलंग के नीचे से बरामद हुआ था। एसडीपीओ संजीव कुमार ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस फिलहाल हत्या और आत्महत्या दोनों बिंदुओं पर गहनता से जांच कर रही है। घटना के बाद से प्रेमी बिरजू कुमार और उसके स्वजन घर छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। मृतका के स्वजन ने हत्या कर शव छिपाने का आरोप लगाया है, जबकि कुछ ग्रामीण इसे आत्महत्या का मामला मान रहे हैं।

मुजफ्फरपुर के 28 केंद्रों पर मद्य निषेध एसआई भर्ती परीक्षा, 15 हजार अभ्यर्थी हुए शामिल

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के 28 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच मद्य निषेध अवर निरीक्षक (SI) भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 15 हजार अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा एक पाली में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक हुई। चेकिंग के बाद अभ्यर्थियों को एंट्री दी गई। 10:30 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दी गई। परीक्षा को पूरी तरह शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए थे। सभी केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी कैमरे, जैमर, वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की व्यवस्था की गई थी। प्रवेश से पहले सघन फ्रिस्किंग की गई। अभ्यर्थियों के बाएं हाथ के अंगूठे के निशान और फोटो का मिलान कर एग्जाम हॉल में एंट्री दी गई। परीक्षा संचालन के लिए 28 स्टैटिक दंडाधिकारी, 14 जोनल दंडाधिकारी और छह उड़नदस्ता दल तैनात किए गए थे। सभी केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। सीएम के दौरे को लेकर शहर के कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया था। हालांकि जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया था कि परीक्षार्थी अपना वैध एडमिट कार्ड दिखाकर आवश्यकतानुसार प्रतिबंधित मार्गों से भी आवागमन कर सकेंगे, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। परीक्षा और मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए मुजफ्फरपुर जंक्शन की सुरक्षा भी कड़ी कर दी गई। रेल डीएसपी ने जंक्शन का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए जवानों और अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी गई। साथ ही सभी सुरक्षा कर्मियों को भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सतर्क रहने का निर्देश दिया गया। जिला प्रशासन ने अभ्यर्थियों से समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने, निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा किसी भी तरह की अफवाह या अव्यवस्था से बचने की अपील की है।

मर्डर के बाद बंटी के हाथ का टैटू मिटाया, भारी चीज से सिर पर वार

पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर बोले- बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या हुई

एजेंसी, पटना

पटना में 6 जुलाई को पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर के पास से बंटी किडनैप हुआ था। किडनैपिंग के 5वें दिन यानी 11 जुलाई को उसका शव 60 किमी दूर अथमलगोला में मिला। बंटी का चेहरा कूचा हुआ था। आंख-नाक का कुछ पता नहीं चल रहा था। बायां हाथ ठीक था, लेकिन दाहिने हाथ की सिर्फ हड्डी बची थी। पूरे शरीर पर चोट के काले निशान थे। बॉडी गलनी शुरू हो चुकी थी। बंटी के दांए हाथ पर टैटू था। मर्डर के बाद बदमाशों ने उस टैटू को भी नुकीले चीज से गोदकर हटा दिया। बंटी के हाथ में एक कड़ा भी था। जो पोस्टमॉर्टम के दौरान नहीं मिला। पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि युवक की पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या की गई है। पोस्टमॉर्टम में गोली लगने या शरीर में छर्रे मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। हत्या के मुख्य आरोपी समेत नामजद आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर ही है।

चेहरे और शरीर को बेरहमी से कुचला गया: पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया, 'मृतक के शरीर पर ईंट-पत्थर जैसे भारी चीजों से वार किया गया, जिससे उसका चेहरे, हाथ और कुचला था। प्रारंभिक जांच से स्पष्ट होता है कि हत्या बेरहमी से की गई।

भाई बोला- शव हमने खोजा, पुलिस कुछ नहीं कर रही: बंटी के भाई मुकुल यादव ने कहा, 'हम लोग भाई को खोजने के लिए अथमलगोला, कभी इधर, कभी उधर भटक रहे थे। लगातार 6 दिन से खोजने में जुटे थे। इसी दौरान अथमलगोला की तरफ हम लोग 70-80 किलोमीटर आगे तक गए थे। फिर लौटते टाइम देखें कि बहुत सारा भीड़ लगी हुई थी। साइड में एक बॉडी पड़ी हुई थी। हम लोगों ने शव की पहचान की। मुकुल का आरोप है, पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने में कोई तत्परता नहीं दिखाई। अब तक पुलिस को हमने 3 अपराधी को पकड़कर दिए हैं। बीसी का भाई, अजीत का भाई, और ये सब पहले से रिकॉर्ड में है। ये सब मिले हुए हैं, सब अपराधी हैं। उसमें से एक रोहित को सीसीटीवी कैमरा में देखा गया। उसने ही मेरा भाई को बहुत धक्का देकर ऑटो में बैठाया।

गुलबी घाट पर हुआ अंतिम संस्कार: हत्या की सूचना मिलने के बाद से घर में मातम पसरा है। परिजन रोते-बिलखते कह रहे हैं- पुलिस ने कोताही बरती है। बंटी के छोटे भाई मयंक ने बताया कि बाढ़ सदर अनुमंडल अस्पताल में बंटी का पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद बॉडी को न्यू करबिगहिया स्थित आवास पर लाया गया। इसके बाद पटना के गुलबी घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

19 जिलों में ऑरेंज अलर्ट, 5 दिनों तक रुक-रुककर होती रहेगी बारिश

एजेंसी, पटना

♦ प्रदेश में अबतक 46% कम हुई बरसात

बिहार में शनिवार को मानसून की अच्छी बारिश हुई। हालांकि, रविवार को कई जिलों में सुबह से धूप निकली हुई है। वहीं, कुछ जिलों में आंशिक बादल छाए हैं। इस बीच समस्तीपुर में तेज बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने आज भी प्रदेश के सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें 19 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। जबकि पटना समेत 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में अभी मानसून सक्रिय है। अगले पांच दिनों तक राज्य में हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहेगा। 1 जून से 11 जुलाई तक बिहार में कुल 155.9mm बारिश दर्ज की गई है, जबकि सामान्य बारिश 288.5mm होनी चाहिए थी। इस तरह राज्य में अब भी 46% बारिश की कमी बनी हुई है। हालांकि सक्रिय मानसून के कारण कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है, जिससे बारिश की कमी धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है। मौसम वेबसाइट विंडी.कॉम के मुताबिक बादल अभी बिहार और पूर्वी हिस्सों की तरफ मौजूद हैं।

पटना समेत 15 जिलों में सुबह से रुक-रुककर बारिश हुई। बांका, बक्सर, खगड़िया, किशनगंज, मधुबनी, जहानाबाद समेत कई जिलों में बादल छाए रहे। बारिश के बाद कई जिलों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। दरभंगा में नगर निगम ऑफिस, टाउन हॉल रोड, DMCH कॉलेज परिसर और मेडिसिन वार्ड में पानी भर गया, जिससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बेगूसराय के कई इलाकों में सड़कों पर 2 से 3 फीट पानी भर गया। पटना के मोकामा रेफरल अस्पताल में बारिश का पानी सीढ़ियों से होते हुए वार्ड तक पहुंच गया। इस कारण OPD, दवा वितरण केंद्र और रजिस्ट्रेशन काउंटर ठप हो गया। इलाज के लिए पहुंचे लोग खड़े होने के लिए जगह तलाशते रहे। वहीं, पटना के मुख्य सचिवालय में पानी भर गया।

पटना में वर्दी में नशे की हालत में मिला पुलिसकर्मी

एजेंसी, पटना

पटना के रामकृष्णानगर थाना क्षेत्र में वर्दी पहने एक पुलिसकर्मी का कथित रूप से नशे की हालत में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामला सामने आते ही अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित आरक्षी को हिरासत में लिया और मेडिकल जांच कराई। पटना सदर-02 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रंजन कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो खेमनीचक इलाके का है। जांच के दौरान वीडियो में दिख रहे पुलिसकर्मी की पहचान आरक्षी विनोद राम के रूप में की गई। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और आरक्षी विनोद राम को थाने लेकर आई। इसके बाद उनका चिकित्सीय परीक्षण कराया गया, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि उन्होंने शराब या किसी अन्य मादक पदार्थ का सेवन किया था या नहीं। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। साथ ही आरोपी पुलिसकर्मी को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए न्यायालय भेजने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

एसडीपीओ रंजन कुमार ने कहा, 'मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद उसके आधार पर विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। यदि जांच में शराब सेवन की पुष्टि होती है, तो बिहार में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून के तहत कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ पुलिस विभाग की सेवा नियमावली के अनुसार भी कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।'

राजेंद्र नगर रेलवे कोचिंग कॉम्प्लेक्स में भीषण आग करीब 10 दमकल गाड़ियों ने एक घंटे में पाया काबू

एजेंसी, पटना

पटना के राजेंद्र नगर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित रेलवे कोचिंग कॉम्प्लेक्स में रविवार तड़के करीब 4 बजे भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ऊंची लपटों से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे, वहीं कंकड़बाग अनुमंडल अग्निशमन कार्यालय से दमकल की टीमें तत्काल रवाना की गईं। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। समय रहते राहत कार्य शुरू होने से आग को अन्य हिस्सों में फैलने से रोक लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया।

10 लाख से अधिक की संपत्ति का नुकसान: प्रारंभिक आकलन के मुताबिक, आग में रेलवे के विद्युत तार और उपकरण सहित अन्य सामग्री जलकर राख हो गई। इस घटना में करीब 10 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। रेलवे प्रशासन नुकसान का विस्तृत आकलन कर रहा है।

करीब 10 दमकल गाड़ियों ने संभाला मोर्चा: अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि सुबह करीब चार बजे स्थानीय लोगों से उनके मोबाइल पर आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही छोटी और बड़ी मिलाकर कुल 10 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया, "समय पर सूचना मिलने के कारण दमकल की टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। यदि सूचना मिलने में देर होती तो नुकसान और बड़ा हो सकता था।"

❐ लाखों की संपत्ति जलकर राख

आग लगने के कारणों की जांच शुरू: जिला अग्निशमन पदाधिकारी रितेश कुमार पांडे ने बताया, 'शॉर्ट सर्किट से आग लगी है, जिसकी जांच की जा रही है। रेलवे और अग्निशमन विभाग संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक तौर पर आग में रेलवे के केबल और अन्य तकनीकी सामग्री के जलने की पुष्टि हुई है। विस्तृत जांच रिपोर्ट के बाद ही आग लगने से हुए कुल नुकसान का सही आकलन सामने आएगा।

पटना में अब ऑनलाइन ढूंढ सकेंगे हॉस्टल-पीजी, इंजीनियर ने छात्रों के लिए बनाया एप

एजेंसी, पटना

बिहार के कई शहरों से छात्र-छात्राएं कंप्टीशन की तैयारी के लिए पटना आते हैं। इस दौरान उन्हें सबसे ज्यादा मुश्किल हॉस्टल या पीजी खोजने में लगती है। इस समस्या को खत्म करने के लिए सॉफ्टवेयर इंजीनियर अनुज पराशर ने 'सीट बीट' एप लॉन्च किया है। अनुज कटिहार के छोटे गांव से बिलॉन्ग करते हैं। जब वह पढ़ने के लिए आए थे, उनको खुद काफी परेशानी झेलनी पड़ी थी, इसलिए उन्होंने बाकी छात्रों की परेशानी कम करने के लिए ये एप लॉन्च की है।

कैसे काम करता है ये एप: किसी भी अनजान शहर में अगर कोई छात्र हॉस्टल या पीजी ढूंढना चाहते हैं, या कहीं लाइब्रेरी में पढ़ाई करना चाहते हैं। तो वह बस अपना लोकेशन सेट करते ही उन्हें अपने आसपास के उपलब्ध सभी हॉस्टल और पीजी दिखने लगेंगे। साथ ही उसमें किराया भी दिखेगा। छात्र अपने बजट के हिसाब से बिना किसी परेशानी के अपने लिए आशियाना ढूंढ सकते हैं।

मशहूर शिक्षक गुरु रहमान बने इसके ब्रांड एंबेसडर: इसके ब्रांड एंबेसडर शिक्षक गुरु रहमान को बनाया गया है। गुरु रहमान ने कहा, एक गांव का बच्चा निकलकर स्टार्टअप में अपना महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। हमेशा बेंगलुरु चेन्नई जैसे शहरों की बात आती थी, लेकिन बिहार को स्टार्टअप के मामले में हाशिए पर रखा जाता था। ये स्टार्टअप उन बच्चों को मदद खासकर करेगा जो गरीब है, अनाथ है और आंखों में सपना लिए पटना आते हैं। ये स्टार्टअप आने वाले दिनों में पूरे हिंदुस्तान में एक अलग आयाम सेट करेगी।

❐ गुरु रहमान ब्रांड एंबेसडर, लाइब्रेरी-जॉब अपडेट्स सहित कई सुविधा मिलेगी

USA और जापान में भी होगा लॉन्च: इस एप के क्रिएटर अनुज ने कहा कि वह एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और फिलहाल BPSC की तैयारी कर रहे हैं। जब वह पटना आए थे, तो उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। रहने के लिए कोई ढंग की जगह नहीं मिल रही थी। पढ़ने के लिए सही लाइब्रेरी का आईडिया नहीं था। तभी उनको एक ऐसा प्लेटफार्म बनाने का ख्याल आया, जिसे अब जाकर उन्होंने एक रूप दिया है। इसे बनाने में उन्हें 2 साल लगे हैं। इसकी टेस्टिंग USA और जापान में भी चल रही है, अगर वहां सफल हो गई, तो USA और जापान में भी यह ऐप देखने को मिलेगी। यह ऐप पूरी तरह से मुफ्त है किसी भी तरह का फीस नहीं लिया जाएगा।

सड़क हादसे में युवक की मौत अज्ञात वाहन रौंदकर हुआ फरार

बाजार से घर लौट रहा था बाइक सवार

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा में देर शाम अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। मृतक की पहचान आनंदपुर गांव निवासी श्याम नारायण राय बेटे उपेंद्र कुमार (30) के रूप में हुई है। उपेंद्र कुमार अपनी बाइक से बिहटा बाजार से आनंदपुर स्थित अपने घर लौट रहे थे। देवकुली गांव के पास सामने से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद उपेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत बिहटा के ईएसआईसी अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना बिहटा थानाक्षेत्र के देवकुली गांव के मोर के पास की है।

धक्का मारने वाली गाड़ी की तलाश में जुटी पुलिस: थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों की ओर से जानकारी मिली कि देवकुली गांव के पास एक युवक सड़क हादसे में घायल हो गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई है। घटना की जानकारी परिजन को दी गई। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। साथ ही फरार वाहन की तलाश की जा रही है।

पटना में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

60 मरीजों का हुआ इलाज, मुफ्त दवाएं भी वितरित की गई

एजेंसी, पटना

]पटना में चेताना समिति की ओर से रविवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 60 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी परामर्श दिया। शिविर में नेत्र रोग, हड्डी रोग, न्यूरो, हृदय रोग और जनरल फिजिशियन विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दीं। चिकित्सकों ने मरीजों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर आवश्यक उपचार संबंधी सलाह दी और नियमित स्वास्थ्य जांच के साथ संतुलित जीवनशैली अपनाने की अपील की।

जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का उद्देश्य: चेताना समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसे निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी जनहित में इस तरह के शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

स्थानीय लोगों ने की सराहना: शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य जांच कराई। समिति के इस सामाजिक प्रयास की लोगों ने सराहना की और इसे जरूरतमंदों के लिए उपयोगी पहल बताया।

दीघा से पटना सिटी तक 31 नाले एसटीपी से जुड़ेंगे 7 जगहों पर बनेंगे इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन

एजेंसी, पटना

पटना में जलजमाव और गंगा नदी को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने के लिए एक बड़े प्रोजेक्ट को लाने की तैयारी की जा रही है। दीघा से लेकर पटना सिटी तक के 31 प्रमुख नालों को STP से जोड़ा जाएगा। नालों के गंदे पानी को सीधे गंगा नदी में गिरने से रोकने के लिए शहर में 500 MLD (Million Liters per Day) क्षमता का नया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) बनाया जाएगा। यह पूरे बिहार का सबसे बड़ा एसटीपी होगा। इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके निर्माण के लिए राजधानी की चमचमाती सड़कों और घनी गलियों को दोबारा नहीं खोदना पड़ेगा। इस प्लांट को स्थापित करने के लिए नमामि गंगे की ओर से जमीन के सर्वे का काम किया जा रहा है। मानसून खत्म होते ही इसके निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया जाएगा। प्रोजेक्ट के लिए DPR तैयार करने का काम अंतिम चरण में है।

2028 की शुरुआत तक एसटीपी को पूरी तरह संचालित किया जाएगा: प्रोजेक्ट से जुड़े तकनीकी विशेषज्ञों के मुताबिक टोपोग्राफिकल सर्वे, नालों की विस्तृत सूची (इन्वेंट्री) और सीवेज डिस्चार्ज (बहाव) का सर्वे कर लिया गया है। इस डेटा का उपयोग हाइड्रोलिक विश्लेषण और इंजीनियरिंग डिजाइन तैयार करने के लिए किया जा रहा है। विभाग की ओर से 2028 की शुरुआत तक इस एसटीपी को पूरी तरह संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है। नालों के पानी को बिना किसी रुकावट के एसटीपी तक लिफ्ट करने और सही फ्लो बनाए रखने के लिए शहर के सात प्रमुख हॉटस्पॉट पर इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन का निर्माण किया जाएगा।

❐ सड़कों-गलियों की खुदाई बिना साफ होगी गंगा

सड़कों की खुदाई से मिलेगी मुक्ति, नालों के एंडिंग पॉइंट होंगे टैप: नए व्यवस्था के तहत I&D यानी इंटरसेप्शन एंड डाइवर्जन तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके तहत दीघा से लेकर पटना सिटी तक के सभी 31 छोटे-बड़े नालों के एंडिंग पॉइंट पर ही विशेष स्ट्रक्चर बनाकर गंदे पानी को रोक लिया जाएगा। वहां से पानी को डाइवर्ट कर मुख्य चैनल के जरिए एसटीपी तक पहुंचाया जाएगा। राजापुर, मंदिरी और अंटा घाट के क्षेत्र को कवर करने के लिए एक बड़ा 264 MLD क्षमता का एसटीपी प्रस्तावित है।

पताही सीएचसी में बुजुर्ग की मौत के बाद फूटा गुस्सा, ऑक्सीजन नहीं मिलने का आरोप; अस्पताल में मचा बवाल

बीएनएम@ पताही

» हार्ट अटैक से मौत का डॉक्टरों का दावा, परिजनों ने लापरवाही का लगाया आरोप
» पुलिस ने संभाला मोर्चा, चिकित्सा प्रभारी बोले– ऑक्सीजन की नहीं थी कोई कमी, ड्यूटी में गड़बड़ी की होगी जांच

प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में रविवार सुबह इलाज के दौरान एक बुजुर्ग मरीज की मौत के बाद अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा हुआ। मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर समय पर ऑक्सीजन नहीं देने और लापरवाही बरतने का आरोप लगाया, जबकि अस्पताल प्रशासन ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए मरीज की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है। सूचना मिलने पर पताही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। जानकारी के अनुसार पताही वार्ड संख्या-3 निवासी 72 वर्षीय बैजू राउत रविवार सुबह अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक ने इलाज शुरू किया। लेकिन इलाज शुरू होने के लगभग 10 से 15 मिनट के भीतर ही उनकी मौत हो गई। मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में समय पर ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं कराई गई, जिसके कारण बैजू राउत की जान चली गई। देखते ही देखते अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ जुट गई और हंगामे की स्थिति बन गई। इलाज करने वाले चिकित्सक डॉ. उमेश प्रसाद ने बताया कि मरीज को अस्पताल लाए जाने के समय ही उन्हें गंभीर हार्ट अटैक आया था। चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया और ऑक्सीजन भी लगाया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अस्पताल में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं थी और ऑक्सीजन नहीं मिलने का आरोप पूरी तरह गलत है। वहीं, चिकित्सा प्रभारी डॉ. शंकर बैठा ने बताया कि अस्पताल पहुंचने के समय मरीज की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। डॉक्टरों ने पूरी क्षमता और तत्परता के साथ इलाज किया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने मृतक के परिजनों को यह कहकर भड़काया कि हंगामा करने पर सरकार से मुआवजा मिल सकता है, जिसके बाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई। चिकित्सा प्रभारी ने यह भी स्पष्ट किया कि अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडर पूरी तरह उपलब्ध हैं और ऑक्सीजन की कमी की बात महज अफवाह है। उन्होंने बताया कि जेई रूम में ताला बंद होने की चर्चा की भी जांच कराई गई। जांच में सामने आया कि लेबर रूम में रोस्टर के अनुसार रुक्मिणी कुमारी और जिज्ञासा कुमारी की ड्यूटी निर्धारित थी, लेकिन रुक्मिणी कुमारी के स्थान पर लालमणि ड्यूटी कर रही थीं। यह किसके निर्देश पर हुआ, इसकी जांच कर संबंधित कर्मियों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इधर, बैजू राउत के निधन की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया कि वे अपने पीछे तीन पुत्र, एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वहीं, इस घटना के बाद क्षेत्र में अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर भी तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

शिक्षकों की पीड़ा या सिस्टम की संवेदनहीनता?

बीएनएम@ सागर सूरज

चार साल तक वेतन और यूएन नंबर के लिए भटकती रही शिक्षिका, जिला शिक्षा कार्यालय परिसर में पति की मौत के बाद फूटा गुस्सा; भ्रष्टाचार, वसूली और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोपों से घिरा विभाग

मोतिहारी। जिला शिक्षा कार्यालय एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। वर्षों से शिक्षकों के बीच यह शिकायत रही है कि कार्यालय में बिना अनावश्यक दौड़-धूप के कोई काम नहीं होता। वेतन भुगतान, यूएन नंबर आवंटन, सेवा संबंधी फाइलों और अन्य प्रशासनिक कार्यों में लगातार विलंब तथा कथित भ्रष्टाचार को लेकर विभाग की कार्यप्रणाली पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। अब एक शिक्षिका के पति की कार्यालय परिसर में हुई मौत ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय, गायघाट की शिक्षिका रश्मि स्वराज के पति एवं अधिवक्ता अरुण कुमार की शनिवार को जिला शिक्षा कार्यालय परिसर में गिरने के बाद मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि शिक्षिका पिछले चार वर्षों से बकाया वेतन और यूएन नंबर आवंटन के लिए लगातार कार्यालय का चक्कर लगा रही थीं। उनका कहना है कि बार-बार दौड़ाने और मानसिक प्रताड़ना ने परिवार को तोड़कर रख दिया।

घटना के बाद कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के बीच इस बात को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए। कुछ लोगों ने मारपीट की आशंका जताई, जबकि कुछ ने कहा कि अधिवक्ता अचानक गिर पड़े। इस संबंध में आधिकारिक रूप से किसी भी आरोप की पुष्टि नहीं हुई है और पूरे घटनाक्रम की जांच आवश्यक है।

परिजनों का आरोप है कि अरुण कुमार के गिरने के बाद समय पर मदद नहीं मिली। उनका कहना है कि शिक्षिका सहायता की गुहार लगाती रहीं, लेकिन कार्यालय से तत्काल अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद आक्रोशित परिजन शव को जिला शिक्षा कार्यालय लेकर पहुंचे और डीपीओ स्थापना कार्यालय के समक्ष विरोध जताया।

शिक्षिका और उनके परिजनों ने आरोप लगाया कि चार वर्षों से वेतन भुगतान और यूएन नंबर के लिए उन्हें लगातार दौड़ाया जा रहा था। उनका कहना है कि विभागीय उदासीनता और मानसिक प्रताड़ना ने इस त्रासदी को जन्म दिया।

जिला शिक्षा कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर शिक्षकों के बीच लंबे समय से असंतोष की चर्चा होती रही है। कई शिक्षक आरोप लगाते रहे हैं कि सेवा संबंधी फाइलों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब होता है और बिना कथित लेन-देन के कार्य आगे नहीं बढ़ते। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन विभाग की कार्यशैली पर लगातार उठते सवाल प्रशासनिक पारदर्शिता की मांग को मजबूत करते हैं।

पूर्व में भी विभाग के स्थापना शाखा के डीपीओ साहब आलम को लेकर गंभीर विवाद सामने आ चुके हैं। उनपर हत्या के आरोप लगे थे. प्राथमिकी भी दर्ज. आदापुर के भालूहिया के शिक्षक की बकाया भुकतान के दौरान कार्यालय मे ही मौत हो गयी जब कार्यालय कर्मियों पर प्रताड़ना का आरोप लगा था.

विभाग के कुछ अधिकारियों पर अतीत में भी विभिन्न आरोप लगे थे। ऐसे मामलों का उल्लेख करते हुए शिक्षक संगठनों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार और जवाबदेही तय की जाती, तो आज हालात शायद अलग होते।

घटना के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी ने कहा कि मामला पहले उनके संज्ञान में नहीं था। जानकारी मिलने के बाद उन्होंने पीड़ित शिक्षिका के बकाया वेतन का भुगतान सोमवार तक कराने का आश्वासन दिया है।

इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, मोतिहारी भेज दिया।

यह घटना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली, जवाबदेही और संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। यदि परिजनों और शिक्षकों द्वारा लगाए गए आरोपों में सच्चाई है, तो निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई आवश्यक है। वहीं यदि आरोप निराधार हैं, तो विभाग को भी पूरी पारदर्शिता के साथ तथ्य सार्वजनिक करने चाहिए, ताकि सच सामने आ सके और शिक्षकों का व्यवस्था पर भरोसा बहाल हो।

घोड़ासहन पुलिस का समकालिक अभियानः वारंटी, इश्तहारी व पियक्कड़ों समेत 9 गिरफ्तार

बीएनएम@ घोड़ासहन (पूर्वी चंपारण)

जिले में अपराध नियंत्रण और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे विशेष समकालिक अभियान के तहत घोड़ासहन थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार आरोपितों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि अभियान के दौरान घोड़ासहन थाना कांड संख्या 359/14 (धारा 413/414/34 भादवि) के अभियुक्त विजय जायसवाल (लैन बसवरिया) को गिरफ्तार किया गया। वहीं न्यायालय से जारी इश्तहार के मामले में फरार चल रहे भजन देवान (पकही टोला) और विदेशी राय (बरवा टोला कसवा) को भी पुलिस ने दबोच लिया। इसके अलावा गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) के आधार पर लाल बहादुर महतो, नागेंद्र राम और रुदल राम, तीनों निवासी मधुबनी, थाना घोड़ासहन, को गिरफ्तार किया गया। शराबबंदी कानून के तहत भी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नशे की हालत में मिले आजाद हुसैन, मुमताज आलम और मो. भट्टू अंसारी, तीनों निवासी घोड़ासहन, को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ घोड़ासहन पुलिस लगातार सख्ती से कार्रवाई कर रही है। अपराधियों, वारंटियों और फरार अभियुक्तों के विरुद्ध विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा।

हल्की बारिश में जलजमाव से ग्रामीण परेशान, स्कूली बच्चों की बढ़ी मुश्किलें

बीएनएम@ तुरकौलिया

प्रखंड क्षेत्र के ब्राह्मटोला गांव की मुख्य सड़क पर हल्की बारिश होते ही जलजमाव की समस्या गंभीर हो जाती है, जिससे स्थानीय लोगों, राहगीरों और स्कूली बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह सड़क ब्राह्मटोला से चारगांहा जाने का प्रमुख मार्ग है, जिससे आसपास के कई गांवों के लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं। ग्रामीणों के अनुसार सड़क पर बने गड्ढों और जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हल्की बारिश में भी पानी भर जाता है। स्थानीय निवासी प्रदीप प्रसाद, दीनबंधु शाह, सोनेलाल शाह, गुड्डू पांडेय, चंद्रिका शाह, रामचंद्र शाह, भोला साह, झगरू शाह, शांति देवी, परीक्षण शाह और मुकेश कुमार ने बताया कि वर्षों से यह समस्या बनी हुई है। जलजमाव के कारण सड़क दुर्घटनाएं भी होती रही हैं। गड्ढों की वजह से अब तक करीब तीन बार टेम्पो पलट चुका है, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। जलजमाव का सबसे अधिक असर सड़क किनारे स्थित सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है कि पानी भरी सड़क से होकर स्कूल पहुंचना बच्चों के लिए जोखिम भरा हो गया है। कई बार फिसलने से बच्चों के कपड़े गंदे हो जाते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होती है। पंचायत के मुखिया सुनील टाइगर ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए संबंधित सड़क को योजना में शामिल कर लिया गया है और जल्द ही यहां पीसीसी सड़क का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा विद्यालय परिसर में मिट्टी भराई और चारदीवारी का निर्माण भी कराया जाएगा, ताकि बच्चों को सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण मिल सके। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा, जिससे जलजमाव, दुर्घटनाओं और स्कूली बच्चों की परेशानियों से राहत मिलेगी। साथ ही उन्होंने प्रशासन से बरसात के मौसम को देखते हुए अस्थायी जलनिकासी की व्यवस्था और चेतावनी संकेतक लगाने की भी मांग की है।

संसद प्रतिनिधि बनने पर पुष्पेन्द्र तिवारी का भव्य स्वागत, कार्यकर्ताओं ने रखी जनसमस्याएं

बीएनएम@ विजय कुमार

रामगढ़वा। रामगढ़वा क्षेत्र में संसद प्रतिनिधि मनोनीत होने के बाद पुष्पेन्द्र तिवारी का कार्यकर्ताओं ने फूल-माला और अंगवस्त्र पहनाकर भव्य स्वागत किया। समारोह में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने उन्हें बधाई देते हुए क्षेत्र के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने सड़क, नाली, बिजली, पेयजल, पुल-पुलिया निर्माण तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सहित विभिन्न जनसमस्याओं को संसद प्रतिनिधि के समक्ष रखा। उन्होंने लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने की मांग की। अपने संबोधन में संसद प्रतिनिधि पुष्पेन्द्र तिवारी ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा तथा उनकी प्राथमिकता हर गांव और वार्ड की समस्याओं को सांसद तक पहुंचाकर उनका शीघ्र समाधान कराना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि सड़क, नाला, पुल-पुलिया या अन्य सरकारी कार्यों से संबंधित किसी भी समस्या की सूचना तुरंत दें, ताकि सांसद एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाई जा सके। उन्होंने कहा कि जनता की छोटी से छोटी समस्या का समाधान कराना ही उनका उद्देश्य है। तिवारी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी देने और पात्र लाभार्थियों को लाभ दिलाने में सहयोग करने का आग्रह किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि पुष्पेन्द्र तिवारी लंबे समय से जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं और क्षेत्र की समस्याओं से भली-भांति परिचित हैं। उनके संसद प्रतिनिधि बनने से जनता और सांसद के बीच संवाद और अधिक मजबूत होगा। समारोह के अंत में कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र के विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस दौरान "भारत माता की जय" के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। मौके पर मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह, विजय प्रसाद, मंत्री प्रमोद सिंह, मनु पाठक, रामपुकार ठाकुर, सागर सत्यार्थ, रविंद्र सिंह, रूपेंद्र सिंह, हरेंद्र पासवान, सुरेंद्र यादव, सुबोध कुशवाहा, रामबाबू महतो, भिखारी साह, हरिमोहन प्रसाद, सुनील सिंह, दिलीप गुप्ता, कृष्ण गुप्ता, शिवचंद्र यादव, मुकेश ओझा, शत्रुघ्न तिवारी, बृजकिशोर तिवारी, जितेंद्र राम, बर्मेश्वर तिवारी, वेदप्रकाश तिवारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केंद्रीय कारा में विधिक जागरूकता शिविर, बंदियों को निःशुल्क कानूनी सहायता के अधिकारों की दी जानकारी

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व लॉ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम, प्रिजन लीगल एड क्लिनिक की भूमिका पर हुआ विस्तृत विमर्श

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी चम्पारण द्वारा लॉ फाउंडेशन के सहयोग से शनिवार को केंद्रीय कारा, मोतिहारी के ई-मुलाकाती हेल्पडेस्क परिसर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का विषय "बंदियों को विधिक सहायता सेवाओं तक पहुँच हेतु मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) एवं प्रिजन लीगल एड क्लिनिक, 2022 के प्रभावी संचालन" रहा।कार्यक्रम की अध्यक्षता चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल (LADCS) उमेंद्र वर्मा ने की। इस अवसर पर सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल आर्य देव, लॉ फाउंडेशन के सुभेंदु एवं दीपशिखा, कारा प्रशासन के पदाधिकारी तथा पीएलवी मनोरंजन शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उमेंद्र वर्मा ने कहा कि प्रत्येक बंदी को संविधान एवं कानून के तहत निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि प्रिजन लीगल एड क्लिनिक बंदियों और न्याय व्यवस्था के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है, जो यह सुनिश्चित करता है कि आर्थिक अथवा अन्य कारणों से कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नितिन त्रिपाठी ने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया का उद्देश्य प्रत्येक बंदी तक समयबद्ध एवं प्रभावी विधिक सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रिजन लीगल एड क्लिनिक केवल कानूनी परामर्श का केंद्र नहीं, बल्कि न्याय तक समान पहुँच सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रत्येक पात्र बंदी को विधिक सहायता, परामर्श एवं आवश्यक कानूनी सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के दौरान बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, प्रिजन लीगल एड क्लिनिक की भूमिका, विधिक सेवा संस्थाओं द्वारा उपलब्ध सुविधाओं तथा उनके कानूनी अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही बंदियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि भविष्य में भी कारागार में नियमित रूप से विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बंदियों को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध कानूनी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया जाता रहेगा।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग में बुजुर्ग दंपति की दर्दनाक मौत, घर का सामान जलकर राख

बीएनएम@ तुरकौलिया

पूर्वी चंपारण जिले के तुरकौलिया प्रखंड के चैनपुर गांव में शनिवार देर रात शॉर्ट सर्किट से लगी आग में एक बुजुर्ग दंपति की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में जनवितरण प्रणाली (पीडीएस) विक्रेता 65 वर्षीय रामबरण प्रसाद और उनकी 63 वर्षीय पत्नी निर्मला देवी गंभीर रूप से झुलस गए। निर्मला देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रामबरण प्रसाद ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, दंपति रात में भोजन करने के बाद बरामदे से सटे कमरे में सो रहे थे। वहीं उनका पुत्र, बहू और बच्चे दूसरे कमरे में सोए हुए थे। रात करीब 12 बजे अचानक शॉर्ट सर्किट से कमरे में आग लग गई। आग तेजी से फैल गई और सो रहे दंपति को संभलने तक का मौका नहीं मिला। दोनों दरवाजा खोलकर बाहर भी नहीं निकल सके और आग की चपेट में आ गए। हादसे में घर में रखा पलंग, कपड़े, बिछावन, टीवी, पंखा सहित अन्य घरेलू सामान भी जलकर राख हो गया। दंपति की चीख-पुकार और कमरे से उठते धुएं को देखकर पुत्र कुंदन व अन्य परिजन जागे। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था, जिसे तोड़कर दोनों को बाहर निकाला गया। तब तक निर्मला देवी की मौत हो चुकी थी, जबकि रामबरण प्रसाद की सांसें चल रही थीं। उन्हें पहले मोतिहारी ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया। इलाज के दौरान रविवार सुबह करीब सात बजे उनकी भी मौत हो गई। घटना की सूचना पर सदर डीएसपी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। तुरकौलिया थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि घटना की जांच के लिए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को भी बुलाया गया था। पत्नी का पोस्टमार्टम नहीं हो सका है, जबकि पति का पोस्टमार्टम मुजफ्फरपुर में कराया जा रहा है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कड़ी सुरक्षा के बीच मद्य निषेध अवर निरीक्षक प्रारंभिक परीक्षा संपन्न, डीएम-एसपी ने लिया जायजा

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा मद्य निषेध अवर निरीक्षक पद पर नियुक्ति के लिए आयोजित प्रारंभिक लिखित प्रतियोगिता परीक्षा रविवार को जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने जिला स्कूल तथा एलएनडी कॉलेज परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा संचालन, सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों ने केंद्राधीक्षकों को निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त परीक्षा संपन्न कराने के आवश्यक निर्देश भी दिए।

जर्जर सड़क व नालों की दें सूचना, त्वरित होगी कार्रवाईः महापौर प्रीति कुमारी

नागरिकों की सहभागिता से तेज होगी विकास की रफ्तार, अंतिम चरण में है सभी वार्डों में सड़क-नाला निर्माण योजनाएं

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर निगम मोतिहारी की महापौर प्रीति कुमारी ने नगर निगम क्षेत्र के नागरिकों से आह्वान किया है कि वे अपने-अपने वार्डों में पथ निर्माण विभाग के अधीन आने वाली मुख्य सड़कों अथवा नगर निगम के अधीन सड़कों एवं नालों के जर्जर, क्षतिग्रस्त या जलनिकासी बाधित होने की सूचना महापौर कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि संबंधित विभागों के समन्वय से आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित कराई जा सके। महापौर श्रीमती कुमारी ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में पथ निर्माण विभाग के सहयोग से अनेक प्रमुख जर्जर सड़कों का निर्माण एवं मरम्मत कार्य पूर्ण कराया जा चुका है, जबकि कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। शेष क्षतिग्रस्त मुख्य सड़कों का सर्वेक्षण कर उनकी सूची संबंधित विभाग को भेजी जाएगी, ताकि उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निर्माण एवं मरम्मत योजनाओं में शामिल कराया जा सके। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा सभी वार्डों के गली-मोहल्लों में सड़क एवं नाला निर्माण कार्य चरणबद्ध ढंग से निरंतर संचालित किया जा रहा है। वर्तमान में सभी वार्डों के लिए समान रूप से प्रस्तावित सड़क एवं नाला निर्माण योजनाओं की निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है। विभागीय औपचारिकताएं पूर्ण होते ही निर्माण कार्य युद्धस्तर पर प्रारंभ कर दिया जाएगा। महापौर प्रीति कुमारी ने कहा कि नगर निगम मोतिहारी शहर के समग्र विकास, सुदृढ़ आधारभूत संरचना तथा नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए सभी संबंधित विभागों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर सतत प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाने में नागरिकों की सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा, "आपकी एक सूचना आपके वार्ड की सड़क, नाला एवं जलनिकासी संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान का आधार बन सकती है। आइए, हम सब मिलकर स्वच्छ, सुगम, सुरक्षित और विकसित मोतिहारी के निर्माण में सहभागी बनें। जनहित में आपका सहयोग अपेक्षित है।"

संक्षिप्त समाचार

नारी शक्ति जीविका समिति में विदाई समारोह

सुशील कुमार के योगदान को सराहा गया

बीएनएम@ समस्तीपुरः मोहिउद्दीन नगर प्रखंड स्थित 'नारी शक्ति जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड' में रविवार को कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर सुशील कुमार के सम्मान में एक विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समिति की अध्यक्ष सुनीता देवी की अध्यक्षता और लेखापाल अजय कुमार के संचालन में हुए इस कार्यक्रम में पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनके कार्यकाल की जमकर सराहना की।वक्ताओं ने कहा कि सुशील कुमार ने जीविका समूहों को सशक्त बनाने और महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी करने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है। उनके मार्गदर्शन से संगठन को एक नई ऊर्जा और दिशा मिली। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने उन्हें पुष्पगुच्छ, चादर और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में रुदल पासवान, चंद्रदीप पंडित, निरमा शर्मा, श्वेता कुमारी, निर्मला कुमारी, सुमन कुमारी, रिंकू कुमारी और समीर कुमार सहित जीविका से जुड़ीं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

छोटू सिंह नागरिक परिषद के महासचिव पद से हटाए गए

पार्टी विरोधी गतिविधियों का खामियाजा

बीएनएम@ पटना। जनता दल (यूनाइटेड) से छह वर्षों के लिए निष्कासित होने के बाद अरविंद कुमार उर्फ छोटू सिंह पर प्रशासनिक गाज गिर गई है। बिहार सरकार ने उन्हें 'बिहार राज्य नागरिक परिषद' के महासचिव पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, सक्षम प्राधिकार के आदेश पर उन्हें इस जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है। 23 जून 2025 को महासचिव मनोनीत किए गए छोटू सिंह की नियुक्ति लगभग एक वर्ष के भीतर ही समाप्त हो गई है।यह कार्रवाई जदयू द्वारा उन पर की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के बाद हुई है। इससे पहले, पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता के आरोपों में प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने उन्हें पार्टी से छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया था। विवाद तब गहराया जब संगठनात्मक फेरबदल के बाद नई सूचियों में स्थान न मिलने पर छोटू सिंह ने सार्वजनिक रूप से पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठाए थे। उन्होंने विधान परिषद सदस्य संजय गांधी को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद पार्टी ने कड़ी कार्रवाई की। अब सरकारी पद से हटाए जाने के बाद छोटू सिंह की राजनीतिक मुश्किलें और अधिक बढ़ गई हैं।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

बीएनएम@ बगहाः बगहा के लौकरिया थाना क्षेत्र के कोटैया गांव निवासी 22 वर्षीय लखन कुमार की दिल्ली से घर लौटने के दौरान ट्रेन से गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। 9 जुलाई को सत्याग्रह एक्सप्रेस से लौटते समय उत्तर प्रदेश के खलीलाबाद के पास वह अत्यधिक भीड़ के कारण चलती ट्रेन से गिर गया था। 10 जुलाई को शव मिलने पर पुलिस ने उसके पास मिले पहचान पत्र के आधार पर परिजनों को सूचना दी। पोस्टमार्टम के बाद शनिवार शाम शव घर पहुँचा, जिससे पूरे क्षेत्र में मातम पसर गया। परिवार में बड़ा बेटा होने के नाते लखन की मौत ने सबको झकझोर दिया है। ग्रामीणों ने शोकाकुल परिवार को सरकारी सहायता देने की मांग की है।

देवेश कुमार आनंद बने अध्यक्ष, निर्विरोध चुनी गई नई टीम

गया जिला क्रिकेट एसोसिएशन

बीएनएम@ गयाजी। गया जिला क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यकाल 2026-29 के लिए आयोजित चुनाव प्रक्रिया रविवार, 12 जुलाई 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। एसोसिएशन के आम सभा में बिहार क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक सह ओएसडी मनोज कुमार की उपस्थिति में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की आधिकारिक घोषणा की गई। पूर्व में जारी चुनाव सूचना के अनुसार, सभी पांच पदों के लिए केवल एक-एक नामांकन प्राप्त हुए थे, जिनकी विधिवत जांच के बाद उन्हें वैध पाया गया।इस निर्वाचन में देवेश कुमार आनंद को सर्वसम्मति से अध्यक्ष, धर्म धिश एरोज को उपाध्यक्ष, प्रियंकर कुमार को सचिव, सुरभि सेजल को संयुक्त सचिव और युवराज सिंह को कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव अधिकारी सुबोध कुमार सिन्हा और पर्यवेक्षक मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से सभी विजयी उम्मीदवारों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किए।इस अवसर पर बिहार रणजी ट्रॉफी के पांच बार के पूर्व कप्तान आशुतोष सुमन ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस गौरवपूर्ण मौके पर एसोसिएशन के पूर्व सचिव संजय कुमार उर्फ चुन्नू, पूर्व चयनकर्ता नियाजउद्दीन, विनय कुमार, पुलिस कुमार, कमलेश कुमार, श्याम यादव और गौतम कुमार सहित खेल जगत की अनेक हस्तियां उपस्थित रहीं। साथ ही अंजनी कुमार, रजनीकांत, प्रवीण प्रकाश, रोहित सिंह और अभिनंदन कुमार ने नवनिर्वाचित टीम को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि आगामी तीन वर्षों में गया जिला क्रिकेट एसोसिएशन नई ऊंचाइयों को छुएगा और जिले का नाम रोशन करेगा। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर खेल के विकास के संकल्प को दोहराया।

जमुई महिला थाना परिसर में रोपे गए पौधे

पर्यावरण संरक्षण का लिया गया संकल्प

बीएनएम@ जमुई। जमुई में पर्यावरण संरक्षण और हरित जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'साइकिल यात्रा एक विचार' समूह द्वारा अपनी 549वीं रविवारीय साइकिल यात्रा के तहत एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'हर परिसर हो हरा-भरा' अभियान के अंतर्गत रविवार को स्थानीय महिला थाना परिसर में लगभग तीन दर्जन पौधे लगाए गए। इस पुनीत कार्य में पुलिस अधिकारियों, जवानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की।कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए गौतम पासवान ने कहा कि पौधारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए एक आवश्यक संकल्प है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पर्यावरण के प्रति सचेत नहीं हुए, तो स्वच्छ हवा और जल के लिए भविष्य में संघर्ष करना पड़ेगा। महिला थानाध्यक्ष अमीशा रत्न ने भी पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान की अनिवार्य आवश्यकता बताया और परिसर को हरा-भरा बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में समूह के संस्थापक विवेक कुमार, सदस्यों और पुलिसकर्मियों ने संयुक्त रूप से पर्यावरण की रक्षा का प्रण लिया।

मौसम का बदला मिजाजः बिहार के सभी जिलों में बारिश की संभावना, किसानों को मिली राहत

बीएनएम@ पटना

पटना सहित 34 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी, खेती को मिलेगी नई गति

बिहार में एक बार फिर मानसून के सक्रिय होने से राज्य को बड़ी राहत मिली है। लंबे इंतजार के बाद अब प्रदेश के सभी जिलों में वर्षा की संभावना जताई गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रविवार के लिए अलर्ट जारी किया है, जिसमें चार जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट और पटना समेत 34 जिलों के लिए यलो

» खेती के लिए संजीवनी बनेगा मानसून का पुनरुद्धार

अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले पांच दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहेगा, वहीं कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज बारिश की भी चेतावनी दी गई है।मानसून के इस पुनरुद्धार

से कृषि क्षेत्र में नई उम्मीदें जगी हैं। जून और जुलाई के शुरुआती दिनों में हुई अल्प वर्षा ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी थीं, जिससे खरीफ फसलों और धान की रोपाई पर संकट के बादल मंडरा रहे थे। 1 जून से 11 जुलाई तक के आंकड़ों पर गौर करें तो राज्य में अब भी सामान्य से लगभग 46 प्रतिशत वर्षा की कमी बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में 288.5 मिलीमीटर की जगह केवल 155.9 मिलीमीटर बारिश ही दर्ज की गई है। हालांकि, मानसून की वर्तमान सक्रियता से जल संसाधन विभाग को जलाशयों के जलस्तर में सुधार की उम्मीद है।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, आगामी दिनों में अच्छी वर्षा होने से फसलों को काफी लाभ मिलेगा और सूखे की आशंका काफी हद तक कम हो जाएगी। हालांकि, बारिश के बीच-बीच में धूप निकलने से उमस और चिपचिपाहट बढ़ने की भी संभावना है। राज्य के लोग अब इस बारिश को कृषि और पेयजल की समस्याओं के समाधान के रूप में देख रहे हैं, बशर्ते मानसून की सक्रियता अगले कुछ दिनों तक इसी प्रकार बनी रहे।

समस्तीपुरः चोरो ने चकोठी मठ को बनाया निशाना,भगवान राम-सीता की प्राचीन प्रतिमाओं पर चोरों ने किया हाथ साफ

डेढ़ करोड़ की अष्टधातु प्रतिमाएं चोरी, श्रद्धालुओं में आक्रोश

» पुलिस की टीम जुटी साक्ष्य जुटाने में, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे

» संत समाज और स्थानीय निवासियों ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

» गर्भगृह को निशाना बनाकर की गई बड़ी वारदात

बीएनएम@ समस्तीपुर

जिले के खानपुर थाना क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक चकोठी मठ में हुई चोरी की घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। चोरों ने मंदिर के गर्भगृह को निशाना बनाते हुए भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण की करीब 200 वर्ष पुरानी अष्टधातु की दुर्लभ प्रतिमाएं तथा स्वर्ण व रजत के बहुमूल्य आभूषण चोरी कर लिए हैं। इस चोरी की अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई है। यह वही मंदिर है जहां पिछले 24 जून को ही भव्य प्राण-प्रतिष्ठा

महोत्सव आयोजित हुआ था, जिसमें राज्य के उपमुख्यमंत्री सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए थे।घटना का पता रविवार की सुबह तब चला जब मंदिर के महामंडलेश्वर रामसेवक दास शास्त्री पूजा के लिए पहुंचे। उन्होंने ताला टूटा हुआ और गर्भगृह से प्रतिमाएं व आभूषण गायब पाए। उन्होंने बताया कि चोरी हुए सामानों में भगवान राम का स्वर्ण धनुष, माता सीता का स्वर्ण मुकुट, सोने की छतरी और अन्य बहुमूल्य चेन शामिल हैं। केवल भगवान राम की अष्टधातु प्रतिमा की कीमत ही एक करोड़ रुपये बताई जा रही है।इस घटना के

बाद श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश है। सूचना मिलते ही खानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस साक्ष्य जुटाने के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। इस ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहर पर हुए हमले ने सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोग और संत समाज लगातार दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और मूर्तियों की बरामदगी की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पूरे जिले में इस सनसनीखेज वारदात को लेकर चिंता और रोष का माहौल व्याप्त है।

वार्ड 38 और 42 में नई सड़कों का निर्माण, नगर निगम की पहल

बीएनएम@ बेतिया

नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने नव अधिग्रहित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण योजनाओं के कार्यादेश जारी किए हैं। बोर्ड से स्वीकृत इन योजनाओं के तहत वार्ड 38 और 42 में पीसीसी सड़क और नालों का निर्माण कराया जाएगा।परियोजना के अनुसार, वार्ड 42 में अशोक प्रसाद के घर से सुमन पटेल के घर तक और वार्ड 38 में गौरी शंकर यादव के घर से रमेश पासवान के घर तक निर्माण कार्य होगा। इन दोनों योजनाओं का जिम्मा दीपक कंस्ट्रक्शन, रामनगर को सौंपा गया है। वार्ड 42 की योजना पर 16.92 लाख और वार्ड 38 पर 4.36 लाख रुपये खर्च होंगे। महापौर ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य तीन माह के भीतर तकनीकी मानकों और सभी विभागीय शर्तों के साथ पूरा करना अनिवार्य है। इन सड़कों के बनने से स्थानीय निवासियों के लिए आवागमन सुगम होगा और क्षेत्र के नियोजित विकास को नई गति मिलेगी।

जमीन विवाद में दो पक्षों में हिंसक झड़प, महिला समेत तीन घायल

बीएनएम@ शेखपुरा

अरियरी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हुसैनबाद स्थित कंकराड़ गांव में एक एकड़ 62 डिसमिल जमीन के लिए दो पक्षो में हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। घायल भासो यादव ने बताया कि उक्त जमीन उनके दादा का है और शुरू से उनका दखल कब्जा में भी है. लेकिन मुनारक यादव, मुन्ना यादव, अशोक यादव और प्रभु यादव जबरन उसपर कब्जा करना चाहता है. इसी बात को लेकर दोनों पक्षो मे पहले कहा सुनी हुई फिर देखते ही देखते दोनों पक्ष में मारपीट होने लगी। मुनारक यादव, मुन्ना यादव, अशोक यादव और प्रभु यादव खंती, रड और ईंट पथल से लैस होकर आया और हमला कर दिया इस घटना में मनोज यादव भासो यादव और अनीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गए.।

उच्च शिक्षा में बदलावः कुलपति नियुक्ति की पात्रता अब राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप

नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की पहल, 10 विश्वविद्यालयों में लागू होगी नई व्यवस्था

» आवेदन की अंतिम तिथि 28 जुलाई तक बढ़ाई गई

बीएनएम@ पटना

बिहार के उच्च शिक्षा तंत्र में एक बड़ा बदलाव करते हुए राज्यपाल सचिवालय ने राज्य के 10 प्रमुख विश्वविद्यालयों में कुलपति और प्रतिकुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया के नियमों में संशोधन किया है। राज्यपाल-सह-कुलाधिपति के निर्देशानुसार, अब पात्रता संबंधी मापदंड विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के वर्ष 2018 के नियमों के अनुरूप होंगे। इस संशोधन के तहत आवेदन करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 28 जुलाई 2026 की रात 11:59 बजे तक कर दिया गया है।संशोधित अधिसूचना के अनुसार, कुलपति पद के लिए अनुभव की गणना अब यूजीसी के मानकों के आधार पर होगी। पूर्व में प्रोफेसर पद की अधिसूचना जारी होने की तिथि से 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य था, जिसे अब समाप्त कर दिया गया है। नई व्यवस्था में प्रोफेसर पद पर पदोन्नति की तिथि को ही अनुभव की गणना का आधार माना जाएगा, जो यूजीसी के नियमों के क्लॉज 6.3 के अनुसार है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे वे योग्य शिक्षक भी आवेदन कर

सकेंगे, जो पहले की तकनीकी जटिलताओं के कारण वंचित थे।यह बदलाव आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, मौलाना मजहरुल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय, तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय और मगध विश्वविद्यालय में लागू होगा। शैक्षणिक जगत में इस कदम को स्वागत योग्य माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, पारदर्शी और राष्ट्रीय मानकों पर आधारित यह नियुक्ति प्रक्रिया विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध गतिविधियों और प्रशासनिक दक्षता में सुधार लाएगी, जिससे बिहार की उच्च शिक्षा व्यवस्था को एक नई और विश्वसनीय दिशा मिलेगी।

बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन (एटक) की बैठक

मानदेय और सुविधाओं के लिए आंदोलन की चेतावनी

बीएनएम@ बेतिया

पश्चिम चंपारण के बलिराम भवन में जिला अध्यक्ष सीमा देवी की अध्यक्षता में बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन (एटक) की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं ने कई महीनों से लंबित मानदेय, मकान किराया और कंटिजेंसी राशि का भुगतान न होने पर गहरा रोष व्यक्त किया।कर्मियों ने मुख्य रूप से डिजिटल कार्यों के बोझ और संबंधित सुविधाओं के अभाव पर नाराजगी जताई। वक्ताओं का कहना था कि तमाम कार्यों को डिजिटल करने के बावजूद न तो सरकारी मोबाइल दिए गए हैं और न ही रिचार्ज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बैठक में लौरिया परियोजना

की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए गए, विशेष रूप से पोषाहार की अनुपलब्धता के बावजूद सेविकाओं को जिम्मेदार ठहराने के आरोपों पर चिंता जताई गई।एटक के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश क्रांति ने कहा कि सरकार द्वारा लगातार की जा रही अनदेखी के विरोध में अब चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा। यूनियन ने निर्णय लिया है कि मांगें पूरी नहीं होने पर जुलाई में परियोजना कार्यालयों पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा और अगस्त में जिला मुख्यालय पर विशाल प्रदर्शन किया जाएगा।

भतीजे ने की चाचा और फौजी चचेरे भाई की हत्या

बीएनएम@ वैशाली

वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के रजासन गांव में जमीन और रास्ते के पुराने विवाद में रविवार सुबह हुए दोहरे हत्याकांड ने पूरे इलाके को दहला दिया है। आरोप है कि एक युवक ने अपने सगे चाचा 60 वर्षीय मुनरिक राय और भारतीय सेना में कार्यरत चचेरे भाई 35 वर्षीय जितेंद्र कुमार राय की गोली मारकर हत्या कर दी। छुट्टी पर घर आए सेना के जवान और उनके पिता की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया है।सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुँचा और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच कर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। स्थानीय मुखिया पद के प्रत्याशी रहे मुनरिक राय और जवान जितेंद्र की हत्या से गांव में मातम और आक्रोश का माहौल है। तनाव को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

बलिराम भगत महाविद्यालय में कला उत्सव का भव्य आयोजन

» भाषण, कविता और क्विज के जरिए छात्रों ने बिखेरे हुनर के रंग

बीएनएम@ समस्तीपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा अपने स्थापना दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में रविवार को बलिराम भगत महाविद्यालय में एक भव्य 'कला उत्सव' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाषण, कविता पाठ और क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा का

उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।कार्यक्रम का नेतृत्व कला मंच संयोजक अनुष्का शर्मा ने किया, जबकि संचालन निक्कू आर्या द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल की डॉ. मधुलिका मिश्रा ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में प्रतिभागिता ही अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. स्मिता झा ने परिषद को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का सशक्त मंच बताया। वहीं, प्रांत सह मंत्री अनुपम कुमार झा ने कहा कि परिषद विद्यार्थियों को शिक्षा और संस्कार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जोड़ रही है।नगर अध्यक्ष चंदन मिश्रा ने परिषद की बढ़ती स्वीकार्यता पर प्रसन्नता व्यक्त की, जबकि प्रांत सह छात्रा प्रमुख शालू कुमारी ने छात्राओं की सक्रिय भागीदारी को एक सकारात्मक संकेत बताया। नगर मंत्री विनीत कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में केशव माधव सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दोन क्षेत्र में विकास की मांग,ग्रामीणों ने निकाला कैंडल मार्च

» वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के 22 गांवों की उपेक्षा पर फूटा गुस्सा

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल के सुदूरवर्ती दोन क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की घोर कमी के विरोध में ग्रामीणों ने एक शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाला। कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी जयेश मंगलम सिंह के नेतृत्व में नौरंगिया दोन से खैरहनी दोन तक आयोजित इस मार्च में थारू बाहुल्य 22 गांवों के सैकड़ों लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के निकट स्थित होने के कारण ये गांव आजादी के कई दशक बाद भी सड़क, बिजली, शुद्ध पेयजल और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं

जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं।ग्रामीणों की मुख्य मांग है कि वन विभाग से एनओसी की बाधाओं को दूर कर पक्की सड़कों का निर्माण कराया जाए, गांवों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना हो। विकास योजनाओं के लंबित होने से स्थानीय जनता में भारी आक्रोश है। कांग्रेस नेता जयेश सिंह ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहे इस कार्यक्रम में स्थानीय पुलिस बल मुस्तैद रहा और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। यह मार्च प्रशासन को अपनी उपेक्षित स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित करने का एक सशक्त प्रयास था।

राजेंद्र नगर रेलवे यार्ड में लगी भीषण आग, बड़ा रेल हादसा टला

» दमकल की 15 गाड़ियों ने पाया काबू

बीएनएम@ पटना

राजधानी पटना के राजेंद्र नगर रेलवे यार्ड कोचिंग कॉम्प्लेक्स में रविवार सुबह लगी भीषण आग से हड़कंप मच गया। आग ने यार्ड के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे स्थिति गंभीर हो गई थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, रेलवे प्रशासन और पुलिस की टीमें तत्परता से मौके पर पहुँचीं। आग पर काबू पाने के लिए लगभग 15 दमकल गाड़ियों का उपयोग किया गया। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझाया गया और दोबारा आग भड़कने के खतरे को देखते हुए लंबे समय तक कूलिंग

ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, इस अग्निकांड में रेलवे को लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है, हालांकि सटीक जानकारी तकनीकी जांच के बाद ही मिल सकेगी। फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है; शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी समेत अन्य संभावनाओं की गहन जांच की जा रही है। रेलवे ने मामले की जांच के लिए उच्चस्तरीय निर्देश जारी कर दिए हैं और संबंधित विभागों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। अधिकारियों का कहना है कि त्वरित कार्रवाई के कारण आग को और अधिक फैलने से रोका जा सका, जिससे एक संभावित बड़ा रेल हादसा टल गया। फिलहाल प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

पानी की किल्लत से ग्रस्त

डेटा सेंटर उन क्षेत्रों में बन रहे हैं, जो पानी की किल्लत से ग्रस्त हैं। भारत डेटा सेंटरों में जल उपयोग को लेकर फिलहाल अनिवार्य पर्यावरण मानक या अनिवार्य रिपोर्टिंग के नियम मौजूद नहीं हैं। हर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस डेटा सेंटर की स्थापना की खबर को भारत में एक बड़ी उपलब्धि समझा जाता है। इनसे विदेशी निवेश के रूप में आने वाले डॉलर की खबर उस समय और महत्त्वपूर्ण हो गई है, जब देश के सामने भुगतान संतुलन की चुनौती बढ़ रही है। मगर डेटा सेंटर्स के साथ एक अन्य बड़ी समस्या भारत आ रही है। ये वो समस्या है, जिसके कारण डेटा सेंटर्स विभिन्न अमेरिकी राज्यों में बेहद अलोकप्रिय हो गए हैं। इन सेंटर्स के लिए पानी और बिजली की इतनी ज्यादा जरूरत पड़ती है कि उससे भविष्य बिगड़ने की आशंका से कई अमेरिकी राज्यों में ये सेंटर्स बड़े जन प्रतिरोध का कारण बने हुए हैं। मगर भारत में इनको लेकर जागरूकता की अभी कमी है। जबकि गैर-सरकारी संस्था- काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक 2024-25 में भारत के डेटा सेंटर्स ने सालाना 150 अरब लीटर पानी की खपत की। इन सेंटर्स की बढ़ती संख्या के कारण 2030 तक यह आंकड़ा 358 अरब लीटर पहुंचने का अनुमान है। डेटा सेंटर्स का कई उन जिलों में विस्तार हो रहा है, जो पहले से पानी की किल्लत का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में फिलहाल डेटा सेंटरों में पानी और बिजली के उपयोग को लेकर अनिवार्य पर्यावरण संरक्षण मानक और अनिवार्य रिपोर्टिंग संबंधी नियम मौजूद नहीं हैं। अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि जैसी अमेरिकी और रिलायंस एवं अडानी ग्रुप जैसी भारतीय कंपनियां डेटा सेंटर्स के निर्माण से जुड़ी हुई हैं। आशंका है कि इनके रसूख को देखते हुए पानी और बिजली से संबंधित सख्त नियम बनाने को लेकर सरकार कतराएगी, जिसका भविष्य पर बहुत खराब असर होगा। गौरतलब है कि क्लोज्ड-लूप लिक्विड कूलिंग, इमर्सन कूलिंग और 45 डिग्री सेल्सियस लिक्विड कूलिंग जैसे सिस्टम आज मौजूद हैं, जिनसे डेटा सेंटर्स में पानी की जरूरत घट सकती है। अतः डेटा सेंटर्स में इनका इस्तेमाल अनिवार्य करने के नियम सरकार को बनाने चाहिए। पानी के दोबारा इस्तेमाल की अनिवार्यता भी लागू की जानी चाहिए। किसी नए डेटा सेंटर को मंजूरी पानी के वैकल्पिक इंतजाम और जल ऑडिट की शर्त के साथ ही दी जानी चाहिए।

आ गया मानसूनः परंपरा, साहित्य और सुरों की रस-वृष्टि

डॉ. सुधीर सक्सेना

आ गया मानसून। मानसून आ गया है। करीब एक पखवाड़े की लुकाछिपी के बाद अंततः मानसून आ गया। इतराते-इठलाते मेघ पाहुने आखिरकार नाज-नखरे के साथ प्रकट हुए। धरती पुलक से भीग गई। यह अनहोनी नहीं है। यह सदियों से चला आया चक्र है। अनहोनी तब होती है, जब चक्र खंडित होता है और बादल रूठ जाते हैं, धरती की त्वचा में पपड़ियाँ पड़ जाती हैं और जीव-जंतु तुषार्त और व्यग्र हो जाते हैं। बहरहाल, किंचित विलंब ही सही, धरती और धरती के प्राणियों की प्रतीक्षा के मोद से भरे बादल आए, बरसे और कृतकृत्य हुए। किसी ने कहा, 'अहा, बारिश आ गई।ó अंग्रेजीदाँ बोले, 'इट्स रेनिंग।ó मेरे जर्मन-भाषी मित्र ने दूरभाष पर कहा, 'एस रेग्नेट।ó तो मराठी माणूस चहका, 'पाऊस आला।ó कोकणस्थ ने भी कहा, 'हओ, पाउस आला।ó मेरी बंगालनसखी ने आसमान से हुई रस-वृष्टि मेंआपादमस्तक भीग जाने के बाद संदेशा भेजा, 'बृष्टि एलो।ó फोन की घंटी घनघनाई! मस्क्वा से मेरे मित्र का प्रश्न था, 'प्रिश्योल दोश्द?ó मैंने सानंद कहा—'दा।ó दोस्त मेरे आनंद में शरीक हुआ। मानसून आता है, तो लोगबाग खुश होते हैं। मानसून हमारा शब्द नहीं है, अलबत्ता अब पूरे मुल्क में चलन में है। हम भारतीयों ने इसे हृदय से अपना लिया है। यह हमारी सहृदयता का सरस प्रमाण है। अब यह पराया या अजनबी नहीं रहा। अरबी मूल का यह शब्द ब्रिटिश इंडिया में चलन में आया। बीती सदी के शुरू में लार्ड कर्जन ने कहा था कि इंडिया में फसल मानसून की बिसात पर खेला जाने वाला जुआ है। लार्ड कर्जन गए, उनके सजातीय गए, लेकिन मानसून का इंतजार तब भी था, आज भी है और कल भी रहेगा। यह मानसून की सनातन महत्ता है। वर्षा द्वैत के अद्वैत और अद्वैत के द्वैत में परिवर्तन का दश4न है। मानसून का आना इंतजार की घड़ियों का खत्म होना है। मानसून प्रतीक्षा के उपरांत मिलन के पर्याय का घोतक है। यह अनिर्वचनीय आनंद की मंगल-वेला है।

खानखाना कहते हैंः दादुर, मोर, किसान मन, लग्यो रहै घन माहिं।

रहिमन चातक रटनि हूँ, सरवर को कोउ नाहिं॥ विज्ञान इसकी पुष्टि करता है कि मेंढक वर्षा ऋतु आने पर परम प्रसन्न होते हैं। पावस के आने पर मोर का नृत्य उनके उल्लास का परिचायक है। और किसान? वर्षा उसके लिए सर्वस्व है। वह उसी से निहाल होता है। एक और जीव है, जिसका पावस से विचित्र नाता है। वह है चातक। हिन्दी और संस्कृत वाङ्मय में चातक का जिþक्र अनगिनत बार हुआ है। मानसून का क्या अभिप्राय है? अरबी में मौसिम मौसम के लिये प्रयुक्त होता है। पुर्तगाली में यही मान्साओ है और डच भाषा में मॉनसन।

सागर से जमीन की ओर प्रवाहित नम हवाओं के लिये प्रयुक्त यह शब्द अब हमारा प्रिय और व्यवहृत शब्द है। दिशाएँ ऋतुनिष्ट होती हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली गीली हवा वर्षा का निमित्त बनती है। जलागारों या स्रोतों से वाष्पीकृत बूँदें वाष्परूप में नहीं रहना चाहतीं, वे द्रवीभूत होना चाहती हैं। उनकी इसी नैसर्गिक चाहत की परिणति है वर्षा।

सौभाग्य देखिये कि भारत में अनुमानतः तीन-चार माह वर्षा होती है, किन्तु विश्व में सर्वाधिक वर्षा का कीर्तिमान भारत के नाम दर्ज है। चेरापूँजी को कौन नहीं जानता? सन 1860-61 में 26971 मि.मी. वर्षा से विश्व-कीर्तिमान स्थापित कर चुके चेरापूँजी को पूर्वी खासी पहाड़ियों में स्थित मवसिनराम ने इस गौरव से अपदस्थ कर दिया है। कुप्पीनुमा पहाड़ियों में स्थित मवसिनराम में ढाई सौ से तीन सौ दिन सालाना औसतन 467 इंच बारिश होती है। चेरापूँजी और मवसिनराम दोनों ही मेघालय में स्थित हैं। दुनिया में अटाकामा सबसे कम वर्षा का इलाका है, तो मेघालय अधिक वर्षा के मामले में अग्रणी। मेघ मेघालय में धारासार नहीं बरसेंगे तो और कहाँ बरसेंगे? भारत 80 प्रतिशत से अधिक वर्षा के लिये मानसून का शुक्रगुजार है। मानसून की कृपा है तो भारत में श्री, सुषमा, अन्न-भंडार और सुख-चैन की व्याप्ति है। भारत में साहित्य, कला और संस्कृति ऋतुओं से जुड़ी हुई हैं। वाल्मीकि-कालिदास से लेकर आधुनिक काल में नागार्जुन तक काव्य-रचना के लिये वर्षा से प्रेरित हुए। वैदिक ऋषि ने पर्जन्य की पिता के रूप में अभ्यर्थना की। आदिकवि वाल्मीकि ने मेघमाला को ऐसी सीढ़ी कहा, जिस पर चढ़कर कुटज और अर्जुन की माला से सूर्य की आराधना कर सकते हैं। 'रामायणó में वह लिखते हैं-

रजः प्रशान्तः स हिमोद्यवायुः,
निदाघदोषः प्रसरः प्रशान्तः।
स्थिता हि यात्रा वसुधाधिपानां,
प्रवासिनां च स्वदेशगमनम्॥

उन्होंने वर्षाजन्य स्थितियों का क्या ही सुंदर वर्णन किया। कविकुलगुरु कालिदास की तो कृति ही 'मेघदूतम्' है। 'ऋतुसंहार' में उन्हें वर्षा का आगमन ऐसा प्रतीत होता है, मानो पावस जल से भरे बादलों के मतवाले हाथी पर बैठकर, विद्युत्-पताका थामे, मेघों की गर्जना का मृदंग बजाते, राजाओं की भाँति ठाठ-बाट से आ गया हो। कालिदास के यक्ष और अमरूक-शतक की नायिका की आशा का केन्द्र कोई और नहीं, बादल ही हैं। शूद्रक, भवभूति और जयदेव ने भी मेघों का बखान किया है। आधुनिक युग में निराला 'अति घिर आए घन पावस के' लिखते हैं, महादेवी वर्मा कहती हैं—'मैं नीर भरी दुःख की बदली।'

माखनलाल चतुर्वेदी लिखते हैं- बदरिया थम-थम कर झर री!
सागर को मत भरे अभागन,
गागर को भर री!

नागार्जुन भी अमुल धवल गिरि के शिखरों पर बादल को घिरते देखते हैं। वीरेंद्र मिश्र कजरी को स्वर देने और वाणी को पानी का वर देने को बादल को अर्चना करते हैं। नजीर अकबराबादी बादलों को काव्य के अनुशासन में बांधते हैं। पंडित छन्नूलाल मिश्र गाते हैं?

सावन झर लागे ला धीरे-धीरे..ः अकेली डर लागे ला धीरे धीरे। जब वह गाते है तो याद आती है तुलसी की पंक्तियां ः घन घमंड नभ गरजत घोरा। प्रिया हीन डरपत मन मोरा। पावस में मेरा कवि मन कहता है- साथ जब होती हो तुम /चाहते चाहते हैं बस/ कि दूर-दूर तलक/ न सायबान हो/ न दरख्त / न ओट/ न छज्जा/ बस, गजब की बारिश हो/ भीगते रहे हम आपादमस्तक/एक साथ सदियों तक।

सुनिये, पं. हृदयनाथ मंगेशकर का मराठी गीत - ती गेली तेव्हा रिमझीम पाऊस निनादत होता। मेघात मिसळली किरणे, हा सूर्य सोडवित होता। आप सुरों की बारिश में भीग जआगे।

यासिन कमाल की शुरू कीदो पंक्तियाँ हैं - बूँदे झर रही हैं, बारिश में भीगने का सुख ही अलग है। प्रिया के साथ भीगने का सुख ही अलग है। सर्वथा अनिर्वचनीय। भारतीय फिल्मों में बारिश की बूंदें खूब भरी है और वर्षा के अनगिन दृश्य उभरे हैं। याद कीजिये प्यार हुआ, इकरार हुआ गीत या फिर इक लड़की भीगी भागी सी या ओ, सजना बर?खा बहार आयी। ये सन 1960 के आसपास की फिल्में है जिंदगी भर नहीं भूलेगी वो बरसात की रात भी तभी का है। रिमझिम गिरे सावन, आज रपट जाये, लगी आज सावन की, टिप-टिप बरसा पानी, अबके सावन, बरसो रे मेघा बाद के हैं। वर्षा- गीतों का यह श्रुति मधुर क्रम जारी रहेगा। आरती मुखर्जी का गाया बंगला गीत 'वृष्टि, वृष्टि, वृष्टि! ए कोनो अपरूप सृष्टि!'/एतो मिष्टि मिष्टि मिष्टि, आमार हारिये गेले दृष्टि। मैंने लेखिका - गायिका अमृता बेरा के मुख से सुना और मंत्रमुग्ध हुआ। मराठी भी कहाँ पीछे है! गारवा (मिलिंद इंगळे), चिंब भिजलेले (शंकर महादेवन) या श्रावणमासी (स्वप्निल बांदोडकर) को सुनिये। या फिर सुनिये बालगीत' ये रे ये रे पावसा तुला देतो पैसा पैसा/ पैसा झाला खोटा/ पाऊस आला मोठा। ये गीत आपको भीतर तक भीगो देंगे।

आप हैव यू एवर सीन द रेन अथवा रिदम ऑफ द रेन सुनिये या फिर पर्पल रेन या अंब्रेला। आप सुरों की बारिश में भीगेंगे और चाहेंगे कि भीगते रहे। निश्चित ही वर्षा एक अनूठा सुख हैं; चाक्षुष भी, ऐंद्रिक भी। भाषायें और संगीत सुर- ताल उसे व्यक्त करने का माध्यम। मानसून हमारा अतिथि है। हम उसके आने की तिथि की आतुर प्रतीक्षा करते हैं। हम अच्छे आतिथेय हों। उसकी अगवानी और अभ्यर्थन करें। हम धरती पर अटाकामा होने से डरें। कोई पूछे ः हैव यू सीन द रेन तो हमारा उत्तर स्वीकार में हो। हम वर्षा को भरबांह भेंटें। पावस भी कविता है। प्रकृति की अत्यंत सुंदर कविता। मानसून कितने भी दिनों के लिये क्यों न आये हम भूलें नहीं कि मानसून में जल नहीं, नेह बरसता है, अविरल-अविराम।

भारत और इण्डोनेशिया के अंतस छंदस एक

हृदयनारायण दीक्षित

दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी वाला देश इण्डोनेशिया है। वह भारत को लेकर पारिवारिक रिश्ते की घोषणा कर चुका है। इण्डोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने भारत के साथ इण्डोनेशिया के संबंधों का खुबसूरत उल्लेख किया है। इण्डोनेशिया की यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति सुबियांतो ने आगे बढ़कर मोदी की प्रशंसा की।

भारतीय संस्कृति हजारों वर्ष प्राचीन है। अपने जन्म स्थान भारत में इस संस्कृति और सभ्यता की जड़ें गहरी हैं। व्यवसायिक व अन्य कारणों से भारत छोड़कर विदेश में रहने वाले भारतीय सभ्यता और संस्कृति को लेकर स्वाभिमान अनुभव करते हैं। 28 करोड़ आबादी वाला इण्डोनेशिया भारतीय संस्कृति से भरा पूरा है। यहां लगभग 10000 उपासना स्थल व मंदिर हैं। श्रीराम इण्डोनेशिया की संस्कृति में छाए हुए हैं। पूरे देश के कोने-कोने में रामकथा होती रहती है।

इण्डोनेशिया और भारत के रिश्ते बहुत पुराने हैं। इण्डोनेशिया के लोग अपने अंतःकरण में भारत को अनुभव करते हैं। इण्डोनेशिया की हवाई सेवा का नाम गरुड़ एयरवेज रहा है। भारत में जो उपजिलाधिकारी प्रशासक होते हैं, इण्डोनेशिया में उन्हें महिपाल कहते हैं। इण्डोनेशिया के लोग विजयादशमी, होली आदि भारतीय त्योहारों का आनंद लेते हैं। इण्डोनेशिया में रामलीला होती है और उसके अधिकांश पात्रों का मजहब इस्लाम होता है। इण्डोनेशिया के लोग मानते हैं कि वे धर्म से और मजहब से इस्लामी हैं लेकिन संस्कृति से भारतीय हैं। यही संस्कृति इण्डोनेशिया और भारत का एकात्मक स्वरूप गढ़ती है।

प्रधानमंत्री के इस दौरे में स्वाभाविक ही दोनों पक्ष बढ़-चढ़कर एक-दूसरे की आवभगत कर सकते थे लेकिन यहां बात कुछ दूसरी ही थी। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने अपना डीएनए टेस्ट करवाया और पाया है कि उनका डीएनए भारतीय है। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत सुनते समय शरीर को थिरकता हुआ पाते हैं। बात सही भी है। अपनी जड़ों से जुड़ना सबको आनंदित करता है। इण्डोनेशिया की संस्कृति और भारत की संस्कृति की जड़ें एक हैं। इन जड़ों को सींचते रहना सबका दायित्व है। जैसे जड़ से सूखे पेड़ पर फूल नहीं खिलते। उन पर पक्षी गीत नहीं गाते। पाकिस्तान को ही लीजिए पाकिस्तान और भारतीय संस्कृति की जड़ें एक हैं। इस सभ्यता का विकास सिन्धु और सरस्वती नदियों की जड़ों से निकला है। पाकिस्तान अपनी मूल संस्कृति से पृथक है। जिन्ना और मुस्लिम लीग ने भारत को दो देश माना था। मजहब के आधार पर देश बनाने से राष्ट्रीय क्षति हुई है। पाकिस्तानी भूभाग में उदासी रहती है। नदियां उदास होकर बहती हैं। मजहबी कट्टरपंथ के कारण पाकिस्तान आतंकवाद की यूनिवर्सिटी बन चुका है। वे संस्कृति सत्य स्वीकार नहीं करते। यह संस्कृति हजारों वर्ष के साहचर्य से विकसित हुई है। पूर्वजों ने दीर्घकाल के अनुभवों के आधार पर इसे बड़े प्यार से गढ़ा है। दर्शन और विज्ञान ने इस सांस्कृतिक अभियान का नेतृत्व किया है। यहां हजारों वर्ष प्राचीन सांस्कृतिक निरंतरता है। वैदिक काल के पूर्व के समाज में संपूर्ण मनुष्यता के प्रति एक प्रेमपूर्ण प्रवाह है। ऋग्वेद में उसकी झलक मिलती है। फिर उत्तर वैदिक काल में भी वही सांस्कृतिक निरंतरता प्रकट होती है। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कहा है कि, "हमारी सभ्यता और संस्कृति पर भारतीय सभ्यता का गहरा प्रभाव है।" उन्होंने बताया है कि, "उनकी भाषा का लगभग पचास प्रतिशत हिस्सा संस्कृत से आया है। हमारे बहुत से नाम संस्कृत में हैं इसलिए हमारे बीच ऐसी स्वाभाविक निकटता है।" संस्कृति का निर्माण दीर्घकाल में होता है। प्रकृति प्रतिपल नया गढ़ती है। मनुष्य प्रकृति के सत्य, शिव और सुंदर को अंगीकृत करते हैं। ऐसे ही मनुष्य संस्कृति गढ़ते हैं। भारतीय संस्कृति का यह प्रवाह और प्रभाव भौगोलिक नहीं था। यह आर्याना में भी व्याप्त थी। आर्याना ही आज ईरान है। यही गांधार में प्रवाहित थी। कौरव वंशी राजा धृतराष्ट्र की पत्नी गांधारी वहीं की थीं। यही गांधार आज का अफगानिस्तान है। यह खोतान, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार, श्याम (थाईलैंड), कम्बोडिया, चम्पा और मलेशिया तक व्याप्त रही। इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश है। कभी वह भी हिन्दू सांस्कृतिक क्षेत्र था। इंडोनेशिया आज भी अपनी पुरानी सांस्कृतिक परम्परा से अनुरक्त हैं। फिलीपाइन्स, तिब्बत, बेरूबाड़ी तीन बीघा क्षेत्र तक व्याप्त यही हिन्दू संस्कृति महर्षि और्व के क्षेत्र अरब में भी प्रवाहित थी। जापान, कोरिया, मंगोलिया, साइबेरिया, इंग्लैंड, आयरलैंड, इटली, ग्रीस, मिस्र और आस्ट्रेलिया जैसे राज्य-क्षेत्र भी इस संस्कृति के उपासक रहे। दक्षिण अफ्रीका, फिजी, मारीशस, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनीडाड आदि देशों में इसका प्रभाव क्षेत्र सुविदित है। बेशक किन्हीं खास भौगोलिक सीमाओं में ही संस्कृति का विकास होता है। देश, राष्ट्र या राज्य जैसी सीमाएँ संस्कृति बोधक नाम पाती हैं पर दुनिया के सभी क्षेत्रों/देशों/राज्यों की संस्कृति दर्शन, विचार-शैली, काव्य-साहित्य और विभिन्न कलाओं के रूप में ही प्रकट होती है। भारतीय संस्कृति का अध्ययन भी इसी सामग्री के आधार पर किया जाना चाहिए। ऋग्वेद दुनिया का प्राचीन साहित्य, काव्य, समाजशास्त्र और तत्कालीन समाज-संस्कृति का दर्पण है। समूचा वैदिक साहित्य लोकमंगल की कामना है। इसमें सामाजिक संगठन के साथ-साथ अकरणीय-करणीय के सूत्र भी हैं। यहाँ शरीरविज्ञान, नक्षत्र विज्ञान, जंतुविज्ञान, वनस्पतिशास्त्र, भौतिकी, रासायनिकों का विवेचन है। अणुविज्ञान के विश्लेषण की भी समझदारी है। उपनिषद सृष्टि रचना के आदितत्त्व की खोजबीन करते हैं और इन्हें पूरी मानवता के सत्यखोजी बताते हैं। पुराण लोकजीवन को संगठित करने और प्राचीन ज्ञान से फायदा उठाने के साथ-साथ लगातार सत्यखोजी बने रहने की प्रेरणा देते हैं। रामायण और महाभारत महाकाव्य हैं, इतिहास भी हैं। वे भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में स्वविवेक से जीवन यापन की प्रेरणा देते हैं।

प्रकृति प्रसाद है, विकृति विषाद है लेकिन संस्कृति महाप्रसाद है। संस्कृति का निर्माण अचानक नहीं होता। राष्ट्र के सभी अंगभूत घटक एक स्वर, एक लय, एक प्रीति, एक छंद और एक रस में स्पंदित होकर अपनी संस्कृति गढ़ते हैं। संस्कृति सभी राष्ट्रजनों के दर्शन, भाषा, धर्म, कला, संवेदना, आशा, निराशा, प्रतीति, अनुभूति, धीरज, साहस और संयम मर्यादा का अंतस होती है। भारत की संस्कृति हजारों वर्षों की तप-साधना के बाद बनी। सर जान मार्शल ने भी बताया, "अनेक प्रमाणों में भारत में एक अत्यंत विकसित संस्कृति की उपस्थिति का पता चलता है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

आज का राशिफल

मेष राशि : मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिये सार्थक रहने वाला है। आपकी बेहतर कार्यप्रणाली से लाभ के नए रास्ते खुलेंगे। किसी जरूरतमंद मित्र की मदद करनी पड़ सकती है। समाज कल्याण के लिए महत्वपूर्ण मीटिंग में शामिल होने का बुलावा आ सकता है। आज ऑफिस के कार्यों में सहकर्मियों के साथ बातचीत या सलाह करने से आने वाले समय में लाभ होगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिये सार्थक रहने वाला है। परिवार का माहौल आपके लिए अच्छा होगा। समाज कल्याण के लिए महत्वपूर्ण मीटिंग में शामिल होने का बुलावा आ सकता है। आज ऑफिस के कार्यों में सहकर्मियों के साथ बातचीत या सलाह करने से आने वाले समय में लाभ होगा। कारोबार में जरूरी काम निपटाने के लिए ठोस योजनाएं बनाने की जरूरत है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। शांत मन से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। युवाओं को अपने समय का उचित प्रबंधन करने की जरूरत है। पिछले काफी दिनों से रुके हुए काम आज पूरे होंगे। साथ ही आपका सामाजिक रुतबा बढ़ेगा। आज किसी खास व्यक्ति की भावनाएं समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिलेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए लकी होने वाला है। पदोन्नति के प्रबल योग बन रहे हैं। आपका व्यक्तित्व संतुलित और सकारात्मक रहेगा। आज रुकी हुई पेमेंट मिल सकती है, इससे आर्थिक स्थिति में राहत आएगी। आज अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढ़ने की कोशिश करें। आज आप ऑफिस के रुके हुए कार्य मेहनत, धैर्य और समझदारी से पूरा कर लेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी मित्र पर भरोसा रखना आपके कामों को मैनेज करने में मदद करेगा तथा मुश्किल काम भी आपको आसान लगेंगे। परिवार के साथ मनोरंजक यात्रा की योजना बन सकती है। युवाओं को अपनी मेहनत का मनचाहा परिणाम मिलेगा। आज आपके स्वभाव में लचीलापन रहेगा। आज घर के बुजुर्ग व्यक्ति की सलाह आपके लिए कारगर साबित होगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज ऑफिस में कामकाज ज्यादा रहेगा। ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए बॉस से बात करेंगे, इसमें आपको सफलता मिलेगी। आज आप भविष्य के लिए कार्य योजनाएं बनाएंगे जिसका आने वाले दिनों में फायदा हो सकता है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन मिले-जुले परिणाम देने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन आपको सफलता दिला सकता है। किसी कारण से पिताजी आपको नई जिम्मेदारी दे सकते हैं, जिसे आप अच्छी तरह निभाएंगे। जमीन जायदाद से जुड़े फैसले आज आपके पक्ष में आएंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपकी काफी दिनों पुरानी निजी समस्या सुलझ जाने से बहुत सुकून मिलेगा। कार्य स्थल पर आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा। आपको किसी जरूरी काम में सहकर्मियों की मदद मिलेगी। विद्यार्थी आज काम और पढ़ाई में बैलेंस बनाकर चलेंगे।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज दिन भर सकारात्मक और अनुशासित दृष्टिकोण से आपको प्रसन्नता होगी। अपनी सूझबूझ से लिए गए फैसलों के आज अच्छे परिणाम मिलेंगे। आज परिवार के साथ व्यस्त रह सकते हैं। कारोबार के लिहाज से आज का दिन सामान्य रहेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज निजी जीवन में सकारात्मकता लाने की कोशिश करेंगे। आज आपकी ज्यादातर योजनाएं पूरी हो सकती हैं। इलेक्ट्रॉनिक सामान या डेयरी प्रोडक्ट्स के शॉपकीपर्स को आज बढ़िया मुनाफा होगा। आज आप नए-नए लोगों से मिलने और बात करने से खुशी महसूस करेंगे।

कुम्भ राशिः विज्ञान जगत से जुड़े लोगों के योगदान को सराहना मिलेगी और उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा। अपनी इनकम बढ़ाने के लिए आप कुछ नए काम शुरू करने की कोशिश कर सकते हैं। बिजनेस में जो नए ऑफर मिलेंगे, उन पर विचार करेंगे तो हो सकता है आपको अधिक फायदा हो।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा। आज आपको सकारात्मक सोच से कार्यों को पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए। घर के जरूरी काम आज पूरा करने में जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशनः कृषि मशीनीकरण के माध्यम से उत्पादकता में वृद्धि

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) के माध्यम से पूरे देश में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों तथा सामाजिक रूप से वंचित वर्गों की आधुनिक कृषि मशीनों तक पहुंच सुनिश्चित हो रही है। कृषि मशीनीकरण में क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के लिए विशेषकर पूर्वोत्तर राज्यों के साथ उन राज्यों एवं क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां कृषि यंत्रों का उपयोग अपेक्षाकृत कम है। योजना के शुरू होने से अब तक 9,404.47 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के माध्यम से देशभर के किसानों को 21.61 लाख कृषि मशीनें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। इसके अलावा, 52.5 करोड़ रुपये की सहायता से 40,918 हेक्टेयर क्षेत्र में 40,928 से अधिक ड्रोन प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। इन प्रदर्शनों ने किसानों के बीच आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कृषि यांत्रिकीकरण के माध्यम से खेती को सुदृढ़ बनानाः भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मशीनीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन के पूरे चक्र में विभिन्न कृषि कार्यों के लिए मशीनों, उपकरणों और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इनमें भूमि की तैयारी, बुआई, सिंचाई, फसल संरक्षण, कटाई एवं कटाई के बाद के प्रबंधन जैसे सभी प्रमुख कार्य शामिल हैं। कृषि मशीनीकरण से मानव और पशु श्रम पर निर्भरता कम होती है, जिससे कृषि कार्य समय पर, अधिक दक्षता व सटीकता के साथ पूरे किए जा सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत घटती है, श्रम उत्पादकता बढ़ती है, कृषि कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा किसानों की आय और खेती की समग्र उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है।

भारत में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) शुरू किया गया। यह राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत केंद्र प्रायोजित एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य आधुनिक कृषि मशीनों एवं उपकरणों का लाभ उन किसानों और क्षेत्रों तक पहुंचाना है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर अभी भी अपेक्षाकृत कम है। इस योजना का विशेष ध्यान छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों, अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) तथा ग्रामीण उद्यमियों पर है। यह योजना कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) की स्थापना को बढ़ावा देती है। ये ऐसे केंद्र हैं, जहां कृषि मशीनें, औजार और उपकरण उपलब्ध होते हैं, जिन्हें किसान किराए पर ले सकते हैं। यह योजना उच्च-प्रौद्योगिकी और महंगे कृषि उपकरणों के लिए हब स्थापित करने तथा कृषि मशीनरी के वितरण में भी सहायता प्रदान करती है। इसके तहत प्रदर्शन और क्षमता निर्माण संबंधी पहलों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई जाती है। उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर और कृषि शक्ति अपेक्षाकृत कम है। साथ ही, कस्टम हायरिंग सेंटरों के माध्यम से सस्ती किराया सेवाएं उपलब्ध कराकर छोटे जोत आकार और अधिक लागत जैसी चुनौतियों का समाधान किया जाता है। इसके अलावा, कृषि मशीनीकरण पर सब-मिशन के तहत कृषि मशीनरी के प्रदर्शन परीक्षण और प्रमाणन को भी सहायता प्रदान की जाती है। इससे जुड़े हितधारकों के बीच इनका उपयोग बढ़ाने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियां भी संचालित की जाती हैं। वर्ष 2007 में शुरू की गई राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य राज्यों को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सार्वजनिक निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह योजना राज्यों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें लागू करने की पर्याप्त स्वतंत्रता और अधिकार प्रदान करती है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन, बुनियादी ढांचे का विकास, कृषि मशीनीकरण तथा मूल्य संवर्धन जैसी विभिन्न गतिविधियां शामलि हैं। वर्ष 2017-18 में इस योजना का पुनर्गठन कर इसे आरकेवीवाई-रफ्तार (कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के कायाकल्प के लिए लाभकारी दृष्टिकोण) के रूप में लागू किया गया, जिसमें फसल-पूर्व और फसलोपरांत बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया। खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए एसएमएएम के रणनीतिक स्तंभ

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) को आधुनिक कृषि उपकरणों तक पहुंच बेहतर बनाकर, श्रम की आवश्यकता कम करके और खेती की उत्पादकता बढ़ाकर समावेशी तथा कुशल कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।

प्रशिक्षण, परीक्षण, प्रदर्शन व फसल कटाई के बाद के कामों में मशीनीकरण को बढ़ावा देनाः आधुनिक कृषि तकनीकों तक पहुंच बढ़ाकर कृषि उत्पादकता और कार्यकुशलता में वृद्धि करता है। साथ ही, कृषि मशीनीकरण को प्रोत्साहित करते हुए फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन तथा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करता है। खेती-बाड़ी के यंत्रों और उपकरणों की खरीद के लिए आर्थिक मददः यह योजना प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से कृषि मशीनों के व्यक्तिगत स्वामित्व के लिए सब्सिडी प्रदान करती है। इसके तहत सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों को कृषि मशीन की लागत का 40 प्रतिशत व अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, छोटे और सीमांत किसानों तथा पूर्वोत्तर राज्यों के लाभार्थियों को 50 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अलावा, छोटे एवं सीमांत किसानों को कस्टम हायरिंग सेंटर, स्वयं सहायता समूह और किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से ड्रोन सहित मशीनीकृत कृषि सेवाओं के उपयोग के लिए प्रति हेक्टेयर 2,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। किराये पर मशीनें देने के लिए 'फार्म मशीनरी बैंक' (एफएमबी) बनानाः यह योजना एसएचजी, एफपीओ और स्थानीय संस्थाओं को कृषि मशीनें खरीदने के लिए 80 से 90 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता प्रदान कर कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देती है। सीएचसी की स्थापना के लिए 250 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर कुल लागत का 40 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जबकि एफएमबी की स्थापना के लिए 30 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर 80 प्रतिशत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। हाई-टेक और ज्यादा उत्पादकता वाले इक्विपमेंट हब बनानाः कार्यकुशलता बढ़ाने तथा महंगी और उन्नत कृषि मशीनों तक किसानों की पहुंच आसान बनाने के लिए फसल-विशिष्ट कार्यों हेतु उन्नत एवं उच्च क्षमता वाली कृषि मशीनरी से सुसज्जित केंद्रों की स्थापना करना सुनिश्चित किया गया है। पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देनाः पूर्वोत्तर राज्यों की क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष सहायता प्रदान की जाती है। इसके तहत लघु कृषि मशीनों पर 100 प्रतिशत तक की सब्सिडी तथा फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना के लिए 95 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

जयपुर के क्रिकेट स्टेडियम में नहीं हो सकेंगे कोई मैच, जानें क्या है पूरा मामला

एजेंसी, जयपुर

जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) स्टेडियम में अगर आने वाले दिनों में किसी बड़े क्रिकेट मैच या दूसरे खेल आयोजन का इंतजार कर रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। फिलहाल इस ऐतिहासिक स्टेडियम में कोई खेल गतिविधि नहीं होगी। इसकी वजह कोई तकनीकी काम या टूर्नामेंट का बदलाव नहीं, बल्कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) का सख्त आदेश है। पर्यावरणीय नियमों के पालन को लेकर उठे सवालों के बीच ट्रिब्यूनल ने स्टेडियम में खेल गतिविधियों पर अंतरिम रोक लगा दी है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सभी खेल गतिविधियों पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया है। ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई 17 अगस्त तक या फिर विशेष अनुमति मिलने तक स्टेडियम में कोई क्रिकेट मैच या अन्य खेल आयोजन नहीं होगा। एनजीटी के अनुसार, स्टेडियम प्रबंधन को पहले भी कई बार नोटिस जारी किए गए थे। इन नोटिसों में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े निर्देशों के पालन की जानकारी मांगी गई थी। लेकिन ट्रिब्यूनल का कहना है कि बार-बार अवसर देने के बावजूद संतोषजनक जवाब नहीं मिला और न ही अपेक्षित अनुपालन दिखा। इसी के बाद यह अंतरिम रोक लगाने का कठोर फैसला लिया गया। ट्रिब्यूनल द्वारा उठाए गए मुख्य मुद्दों में भूजल के अत्यधिक उपयोग पर चिंता व्यक्त की गई थी। एनजीटी ने स्टेडियम प्रबंधन को भूजल का कम से कम इस्तेमाल करने के निर्देश दिए थे। साथ ही, खेल मैदान की सिंचाई और रखरखाव के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से शोधित पानी के उपयोग को अनिवार्य किया गया था, ताकि ताजे पानी के संसाधनों पर दबाव कम हो। इसके अलावा, वर्षा जल संरक्षण की प्रभावी व्यवस्था विकसित करने के भी निर्देश दिए गए थे ताकि जल स्तर को बनाए रखा जा सके। ट्रिब्यूनल का मानना है कि इन महत्वपूर्ण पर्यावरणीय निर्देशों के पालन को लेकर अपेक्षित जवाब और अनुपालन सामने नहीं आया, जिससे पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा था। एनजीटी के आदेश के अनुसार यह रोक फिलहाल अंतरिम है। अगली सुनवाई 17 अगस्त को होगी, जहां मामले पर विस्तार से विचार किया जाएगा। तब तक या फिर ट्रिब्यूनल से विशेष अनुमति मिलने तक स्टेडियम में किसी भी तरह की खेल गतिविधि आयोजित नहीं की जा सकेगी।

सवाई मानसिंह स्टेडियम राजस्थान का सबसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान है। यहां घरेलू क्रिकेट के साथ-साथ बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुकाबले भी आयोजित होते रहे हैं, जिससे यह खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे में एनजीटी के इस आदेश का असर भविष्य में प्रस्तावित मैचों और अन्य खेल आयोजनों पर पड़ सकता है, यदि 17 अगस्त से पहले कोई राहत नहीं मिलती है। स्टेडियम में मैच न होने से न केवल खेल प्रेमियों को निराशा होगी, बल्कि इससे आर्थिक और पर्यटन संबंधी गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है जो बड़े खेल आयोजनों से जुड़ी होती हैं।

लैपटॉप में रिकॉर्ड वीडियो बना अहम सबूत, दुष्कर्म के आरोपों से बच निकले थे नेमार

एजेंसी, नई दिल्ली

हाल ही में फीफा विश्व कप 2026 में ब्राजील की टीम के नॉर्वे से राउंड ऑफ 16 में हारने के बाद ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। उनके संन्यास के साथ ब्राजील फुटबॉल के एक महत्वपूर्ण अध्याय का भी अंत माना जा रहा है। इस बीच मीडिया में एक 2019 की खबर सुर्खियों में फिर से आ गई है। नेमार का करियर वर्ष 2019 में उस समय गंभीर संकट में पड़ गया था, जब उन पर एक महिला ने पेरिस के एक होटल में दुष्कर्म और मारपीट का आरोप लगाया। इस मामले ने दुनिया भर में सुर्खियां बटोरी थीं और यदि जांच में उनके पक्ष में सबूत नहीं मिलते तो उनका खेल करियर और सार्वजनिक छवि दोनों को बड़ा नुकसान पहुंच सकता था। हालांकि, जांच के दौरान उनके लैपटॉप में रिकॉर्ड हुआ एक वीडियो उनके पक्ष में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हुआ और अंततः उन्हें राहत मिल गई। घटना उस समय की है जब नेमार फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन के लिए खेल रहे थे। शिकायत करने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी और नेमार की बातचीत सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम के माध्यम से शुरू हुई थी। महिला के अनुसार, नेमार की टीम की ओर से उसके लिए हवाई यात्रा की व्यवस्था की गई और उसे पेरिस के एक होटल में ठहराया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि मुलाकात के दौरान नेमार नशे की हालत में थे और शुरुआती बातचीत के बाद उनका व्यवहार अचानक आक्रामक हो गया। महिला ने दावा किया कि उनके साथ मारपीट की गई और उनकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाए गए। दूसरी ओर, नेमार ने शुरुआत से ही इन आरोपों को पूरी तरह निराधार और झूठा बताया। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा कि उन्हें ब्लैकमेल करने की कोशिश की जा रही है और उन पर लगाए गए आरोप तथ्यहीन हैं। मामले की जांच के दौरान एक वीडियो सामने आया, जो कथित रूप से नेमार के लैपटॉप में रिकॉर्ड हुआ था। इस वीडियो में महिला स्वयं नेमार को धक्का देती और उनके साथ हाथापाई करती दिखाई देती है। जांच एजेंसियों ने इस वीडियो को महत्वपूर्ण साक्ष्य माना और इसी ने मामले की दिशा बदल दी।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलक मीराबाई चानू पर रहेंगी नजरें

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू का ध्यान अब 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर है। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फॉर्म को दर्शाता है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा। इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है।यह साल 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होने के कारण और भी अहम माना जा रहा है। एशियाई खेलों का प्रदर्शन न केवल पदक के लिए, बल्कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत के लिए भी महत्वपूर्ण होगा।

यूरोप चरण में अच्छे प्रदर्शन से विश्वकप के लिए हॉकी टीम का मनोबल बढ़ा : फुल्टन

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के यूरोप चरण में अच्छे प्रदर्शन से टीम का हौंसला बढ़ा है और अब आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों में जीत दर्ज करने के लिए तैयार है। कोच के अनुसार टीम सही समय पर लय में आई है और इसका लाभ उसे आगामी मुकाबलों में मिलेगा। साथ ही कहा कि वर्तमान में भारतयी टीम दुनिया की किसी भी मजबूत टीम को टककर दे सकती है। कोच ने कहा कि मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीदरलैंड्स को हराकर भारतीय टीम ने दिखाया है कि वह किसी से पीछे नहीं है। इससे टीम का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। फुल्टन ने कहा, इस प्रो लीग अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि खिलाड़ियों का बढ़ा हुआ आत्मविश्वास है। जर्मनी और नीदरलैंड्स जैसी शीर्ष टीमों को हराना और इंग्लैंड के खिलाफ भी प्रभावशाली प्रदर्शन यह साबित करता है कि यदि हम अपनी रणनीति पर बने रहें तो हम दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकते हैं। फुल्टन ने यह भी कहा किया कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान दबावपूर्ण परिस्थितियों में असाधारण संयम दिखाया और विभिन्न खेल स्थितियों के अनुसार खुद को सफलतापूर्वक ढालने की क्षमता विकसित की।

विराट अभी भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने में सक्षम : कपिल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट खेलते रहना था। कपिल के अनुसार विराट का समय से पहले इस प्रारुप से संन्यास का फैसला सही नहीं था। उन्होंने कहा कि वह विराट के इस कदम से बिल्कुल भी खुश नहीं थे। साथ ही कहा कि कोहली अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने और भारतीय टीम में वापसी करने की पूरी क्षमता मौजूद थी। कपिल ने इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए यह मायने नहीं रखता कि विराट 10 हजार टेस्ट रन पूरे करते या नहीं। उनका मानना है कि अगर विराट कुछ समय तक धैर्य दिखाते और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते, तो वह निश्चित रूप से दोबारा भारतीय टेस्ट टीम में जगह बना सकते थे। कपिल देव ने कहा, मैं विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से सहमत नहीं था। यह 10 हजार रन या किसी रिकॉर्ड की बात नहीं थी। मुझे लगता है कि अगर वह छह महीने तक धैर्य रखते और गुस्से में प्रतिक्रिया नहीं देते तो उनके पास टीम इंडिया में वापसी का पूरा अवसर था। कपिल ने साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है। उनका मानना था कि अगर चयनकर्ता या कप्तान उन्हें मौका नहीं दे रहे थे, तो उन्हें हार मानकर संन्यास लेने की जगह पर घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रन बनाकर अपनी जगह दोबारा हासिल करनी चाहिए थी।

बिजनेस

नीति आयोग ने शांति अधिनियम के कार्यान्वयन पर हितधारकों के साथ की बैठक

एजेंसी, नई दिल्ली

नीति आयोग ने नई दिल्ली में शांति अधिनियम 2025 को लागू करने पर हितधारकों के साथ विचार-विमर्श आयोजित किया। इसका मुख्य फोकस कानूनी और नियामक ढांचा तैयार करने, वित्त, बीमा और लोगों की सोच को बेहतर बनाने के साथ ही विनिर्माण क्षमता, ऑपरेशन की तैयारी और क्षमता निर्माण को बढ़ाने पर है।

नीति आयोग ने शनिवार को एक बयान में बताया कि नीति आयोग ने 10 जुलाई को नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र के समरसता सभागार में शांति अधिनियम 2025 के कार्यान्वयन पर हितधारकों के साथ परामर्श बैठक आयोजित की। इस बैठक में सरकार, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों एवं प्रमुखों, नीति निर्माताओं ने भाग लिया और इस महत्वपूर्ण अधिनियम के परिचालन तंत्र पर विचार-विमर्श किया। आयोग के मुताबिक तकनीकी चर्चाएं अधिनियम के सफल कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण तीन मुख्य बिंदुओं पर केंद्रित थीः- इसमें विधायी एवं नियामक ढांचा, वित्त, बीमा और जनधारणा और विनिर्माण, संचालन एवं क्षमता विकास प्रमुख है। विचार-विमर्श शांति अधिनियम के मसौदा नियमों, विनियमों और संबंधित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति के प्रावधानों पर केंद्रित था, जिसमें उद्घाटन तकनीकी खंड में शांति अधिनियम, 2025 के तहत संवैधानिक अनुपालन तंत्रों को भी प्रस्तुत किया गया। वहीं, इस बात पर चर्चा की गई कि घरेलू हितों की रक्षा करते हुए विदेशी पूंजी को कैसे आकर्षित किया जा सकता है। हितधारकों ने अधिनियम के कार्यान्वयन में सहयोग के लिए आवश्यक वित्तीय तंत्रों और जोखिम-निवारण ढाँचों की समीक्षा की। चर्चा में दीर्घकालिक परियोजनाओं के लिए उपयुक्त बीमा व्यवस्थाओं के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के प्रति जन जागरूकता, सामुदायिक विश्वास और व्यापक स्वीकृति को मजबूत करने की रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्य ध्यान परिचालन चरण पर था जिसमें घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को सुदृढ़ करने, परिचालन की तैयारी सुनिश्चित करने और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने पर बल दिया गया। हितधारकों ने आपूर्ति श्रृंखला की प्रतिरोधता बढ़ाने और औद्योगिक विस्तार को बढ़ावा देने तथा उच्च कोटि के सक्षम मानव संसाधन आधार विकसित करने के लिए समर्पित क्षमता विकास कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने पर भी चर्चा की। नीति आयोग ने बताया कि हितधारकों ने सभी तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विविध विचार प्रस्तुत किए है, जो शांति अधिनियम, 2025 के कार्यान्वयन तंत्र को मजबूत करने में उपयोगी साबित होंगे। हितधारकों के साथ इस परामर्श बैठक की अध्यक्षता प्रो. अभय करंदीकर (सदस्य, नीति आयोग) ने की। अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में पंकज अग्रवाल (सचिव, एमओपी), घनश्याम प्रसाद (अध्यक्ष, सीईए), गुरदीप सिंह (सीएमडी, एनटीपीसी लिमिटेड), डॉ. अंशु भारद्वाज (कार्यक्रम निदेशक, नीति आयोग), राजनाथ राम (सलाहकार, नीति आयोग), डॉ. गरिमा शर्मा (प्रमुख, एसएसएसडी, डीएई) और हरि कुमार (एईआरबी के विशिष्ट वैज्ञानिक और निदेशक) शामिल थे।

कई वीवो और आईक्यूओओ स्मार्टफोन्स को नहीं मिलेगा एंड्रॉइड 17 अपडेटः रिपोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

वीवो और आईक्यूओओ स्मार्टफोन यूजर्स के लिए एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के कई पुराने मॉडल्स को आगामी एंड्रॉइड 17 अपडेट नहीं मिलेगा। यह अनुमान कंपनी की मौजूदा सॉफ्टवेयर अपडेट पॉलिसी के आधार पर लगाया गया है, हालांकि वीवो या आईक्यूओओ ने अभी तक कोई आधिकारिक सूची जारी नहीं की है। एंड्रॉइड 17 के साथ वीवो अपने चीनी बाजार में नया ओरिजिनओएस 7 पेश करेगा, जबकि वैश्विक बाजार के लिए ज्यादातर डिवाइस फनटच ओएस के नए वर्जन के साथ अपडेट होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिन वीवो स्मार्टफोन को एंड्रॉइड 17 बेस्ड अपडेट नहीं मिलेगा उनमें वीवो एक्स90 सीरीज (एक्स90, एक्स90 प्रो, एक्स90 प्रो+), वी30 सीरीज (वी30, वी30 प्रो, वी30ई), टी3 सीरीज (टी3, टी3 लाइट, टी3एक्स), वाई300 प्लस, वाई200 प्रो, वाई200ई, वाई100 4जी, वाई100आई, वाई29 और वाई29एस शामिल हैं। इसी तरह, आईक्यूओओ के कुछ लोकप्रिय मॉडल जैसे आईक्यूओओ 11, आईक्यूओओ 11 प्रो, जेड9 सीरीज (जेड9, जेड9एक्स, जेड9 लाइट, जेड9एस, जेड9एस प्रो) को भी यह अपडेट नहीं मिलने की उम्मीद है। इन मॉडल्स को पहले ही कंपनी की तय सॉफ्टवेयर अपडेट पॉलिसी के आधार पर अपेक्षित अपडेट मिल चुके हैं, जिसके कारण एंड्रॉइड 17 पर आधारित नया वर्जन मिलने की संभावना काफी कम है। हालांकि, इन फोन्स को केवल आवश्यक सुरक्षा अपडेट मिलना जारी रह सकता है। वहीं, रिपोर्ट में वीवो एक्स200 और एक्स300 सीरीज, वी40, वी50, वी60 और वी70 सीरीज के कई मॉडल्स को एंड्रॉइड 17 के लिए योग्य बताया गया है। आईक्यूओओ में आईक्यूओओ 12, आईक्यूओओ 13, आईक्यूओओ 15, नियो 10, नियो 10आर और जेड10 सीरीज के कई स्मार्टफोन्स को नया अपडेट मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यह एक प्रारंभिक अनुमानित सूची है और अंतिम घोषणा के बाद इसमें बदलाव संभव हैं।

होम लोन में सिर्फ ईएमआई नहीं, कुल ब्याज पर करें फोकस

एजेंसी, नई दिल्ली

घर खरीदना हर किसी का सपना होता है, लेकिन अक्सर लोग होम लोन लेते समय सिर्फ मासिक ईएमआई पर ध्यान देते हैं। यह जल्दबाजी बाद में महंगी साबित हो सकती है, क्योंकि बैंक को चुकाई जाने वाली कुल रकम आपकी उम्मीद से कहीं ज्यादा हो सकती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सिर्फ ईएमआई नहीं, बल्कि कुल ब्याज और लोन की अवधि को ध्यान में रखकर ही होम लोन का फैसला लेना चाहिए। चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन कौशिक बताते हैं कि 8.5% ब्याज दर पर 20 साल के लिए 50 लाख रुपये का होम लोन लेने पर मासिक ईएमआई भले ही करीब 43,390 रुपये लगे, लेकिन कुल चुकाई गई रकम 1.04 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है, जिसमें 54 लाख रुपये सिर्फ ब्याज होगा। इसका मतलब है कि आप जितनी रकम उधार लेते हैं, लगभग उतनी ही ब्याज के रूप में चुकानी पड़ती है। शुरुआती सालों में ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में जाता है, जिससे मूलधन धीरे-धीरे कम होता है। लाखों रुपये का ब्याज बचाने और लोन जल्दी खत्म करने के लिए प्री-पेमेंट एक प्रभावी तरीका है। यदि हर साल एक अतिरिक्त ईएमआई चुकाई जाए, तो 20 साल का लोन करीब 5 साल पहले खत्म हो सकता है और लगभग 13 लाख रुपये का ब्याज बच सकता है। इसी तरह, आय बढ़ने पर हर साल ईएमआई में 5 फीसदी की बढ़ोतरी करने से 20 साल का लोन 12 साल में चुकाया जा सकता है। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि 8.5 फीसदी या अधिक ब्याज दर वाले होम लोन की तुलना में निवेश से लगातार बेहतर रिटर्न कमाना मुश्किल है, इसलिए प्री-पेमेंट निश्चित बचत प्रदान करती है।

पीएमएफएमई योजना के तहत क्रेडिट-लिंक्ड लाभार्थियों की संख्या दो लाख के पार, 11 लाख रोजगार से मिली यह मदद

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र ने आत्मनिर्भरता की दिशा में अभूतपूर्व मुकाम हासिल किया है। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में घोषणा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना के तहत 2 लाख से अधिक सूक्ष्म उद्यमों को (क्रेडिट-लिंक्ड) ऋण स्वीकृत करने की उपलब्धि हासिल की है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने नई दिल्ली में एक विशेष कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जिसमें प्रधानमंत्री की सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के औपचारिककरण (पीएमएफएमई) योजना के तहत प्राप्त एक ऐतिहासिक उपलब्धि- दो लाख से अधिक सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को ऋण स्वीकृत किए जाने का उत्सव मनाया। मंत्रालय ने कहा कि 2 लाख ऋण स्वीकृतियों का आंकड़ा पार करते हुए इस योजना ने 20,300 करोड़ रुपये से अधिक के परियोजना निवेश को बढ़ावा दिया है। लाभार्थियों में से लगभग 90 प्रतिशत पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं और 44 फीसदी महिला उद्यमी हैं, जबकि 75 हजार से अधिक पीएमएफएमई समर्थित उद्यम, उद्यम आधार, उद्यम असिस्ट, एफएसएसएआई और जीएसटी जैसे पंजीकरणों के माध्यम से औपचारिक अर्थव्यवस्था में प्रवेश कर चुके हैं। इस योजना ने लगभग 11 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित किए हैं।

चिराग पासवान ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि दो लाख लाभार्थियों की उपलब्धि "यह दर्शाती है कि यह परिकल्पना पूरे देश में मापने योग्य परिणामों में तब्दील हो रहा है," और सभी लाभार्थियों में लगभग 44 फीसदी महिला उद्यमियों की भागीदारी को "महिला नेतृत्व वाले विकास की सच्ची भावना, विकसित भारत की आधारशिला" बताया। केंद्रीय मंत्री ने बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश सहित अग्रणी राज्यों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि "केवल जश्न मनाने का अवसर नहीं है; यह एक मजबूत नींव है जिस पर हम भारत के खाद्य प्रसंस्करण विकास गाथा के अगले चरण का निर्माण करेंगे।" उन्होंने राज्य सरकारों, जिला प्रशासनों और जमीनी स्तर के अधिकारियों को "एक राष्ट्रीय नीति को उद्यम विकास के लिए जमीनी आंदोलन में बदलने" के लिए धन्यवाद दिया। पासवान ने योजना के तहत दी जाने वाली प्रारंभिक पूंजी सहायता पर भी प्रकाश डाला, जिसके तहत 4.18 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह सदस्यों को सहायता प्रदान की गई है।

फिल्म

आदित्य रॉय कपूर की नई फिल्म का ऐलान, मिलाप मिलन जावेरी संग पहली बार करेंगे काम

आशिकी 2, मलंग और मेट्रो... इन दिनों जैसी फिल्मों से अपनी रोमांटिक छवि बनाने वाले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर खास लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। इस बार वह पहली बार निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी के साथ हाथ मिला रहे हैं। दोनों की यह फिल्म रोमांस, एक्शन और संगीत का दमदार मेल होगी, जिसे निर्माता भूषण कुमार बड़े स्तर पर बना रहे हैं। निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने आदित्य रॉय कपूर के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, आदित्य प्यार को बेहद गहराई के साथ पर्दे पर उतारते हैं। आशिकी 2 के बाद से दर्शकों ने उन्हें जुनून और टूटे दिल की कहानियों में खूब पसंद किया है। इस नई फिल्म का किरदार कई परतों वाला होगा। मुझे नहीं लगता कि इस सफर को उनसे बेहतर कोई और निभा सकता था। वहीं, निर्माता भूषण कुमार ने आदित्य के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को याद करते हुए कहा, आदित्य के साथ हमारा रिश्ता कई सालों पुराना है और हमने साथ मिलकर ऐसी फिल्में दी हैं जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। आशिकी 2 से लेकर मेट्रो... इन दिनों तक हर फिल्म हमारे लिए खास रही है। हमारे बीच शानदार क्रिएटिव तालमेल है और मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर एक ऐसी कहानी के लिए साथ आ रहे हैं, जो भावनात्मक और बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होने की तैयारी है। इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा कर इसे साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और टाइटल का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन मेकर्स का कहना है कि आने वाले समय में इससे जुड़ी और जानकारियां साझा की जाएंगी। फिल्म की घोषणा करते हुए मिलाप मिलन जावेरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी एक खास पोस्ट साझा किया था। उन्होंने लिखा, इस बार आशिकी पूरी दीवानियत से होगी। मुझे बेहद खुशी है कि मैं अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर रहा हूं। यह एक इंटेंस, हिंसक और म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिसमें मेरे प्रिय मित्र और शानदार अभिनेता आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, आदित्य को उनके करियर के सबसे दमदार, रोमांटिक और हीरोइक किरदारों में से एक में देखने के लिए तैयार हो जाइए। मुझे खुशी है कि यह फिल्म भूषण कुमार सर के बैनर तले बन रही है, जिनके साथ मैंने सत्यमेव जयते और मरजावां जैसी सफल फिल्मों में काम किया है। उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, 2027 में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जहां एक्शन, संगीत, दमदार डायलॉग, रोमांस, जुनून और दिल टूटने का दर्द- सब कुछ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगा।

कई प्रोजेक्ट्स ठुकराने पर बोलीं अनुपमा की अद्रिजा रॉय

मैं इंतजार करना पसंद करूंगी लेकिन बिना जुड़ाव के किरदार नहीं

अनुपमा में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। अद्रिजा ने कहा कि वह वहीं किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। अद्रिजा रॉय ने कहा, मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को ज्यादा अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अच्छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कोई किरदार लोकप्रिय हो जाता है तो लोग उसी तरह के रोल में कलाकार को देखने लगते हैं।

उन्होंने कहा, जब कोई भूमिका लोकप्रिय हो जाती है तो लोग आपको उसी अंदाज में देखने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि आपने उस किरदार को अच्छी तरह निभाया है। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देती। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को और दर्शकों को सरप्राइज करना चाहती हूं। मैं एक ही तरह के किरदार बार-बार नहीं करना चाहती। मेरे लिए हर नया रोल कुछ नया सीखने का मौका होना चाहिए। अद्रिजा ने अपने करियर के फैसलों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, हर अभिनेता चाहता है कि उसके पास चुनने के लिए बहुत सारे विकल्प हों, लेकिन यह इंडस्ट्री हमेशा इस तरह काम नहीं करती। कई बार कोई अच्छा प्रोडक्शन हाउस आपको ऐसा किरदार देता है, जो शायद आपकी पहली पसंद न हो। ऐसे में पूरी तस्वीर देखनी चाहिए। कहानी क्या है, टीम कैसी है और किरदार शो में क्या योगदान दे रहा है, इन सभी चीजों को समझना जरूरी होता है। हर स्थिति में कोई एक सही या गलत जवाब नहीं होता। हर कलाकार को अपने हिसाब से फैसला लेना पड़ता है। बातचीत के दौरान अद्रिजा ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स को मना किया है, जिनसे वह खुद को जोड़ नहीं पाईं। उन्होंने कहा, हां, मैंने कुछ प्रोजेक्ट्स के लिए मना किया है। ऐसा इसलिए नहीं था कि वे खराब थे, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं उन किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाई। अगर मैं किसी भूमिका पर विश्वास नहीं करती हूं, तो मेरे लिए उसके साथ न्याय करना मुश्किल हो जाता है। मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन ऐसा काम करना चाहती हूं जो मुझे अंदर से उत्साहित करे।

आकांक्षा चमोला अब अकेली गुजारेंगी अपनी जिंदगी

छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री आकांक्षा चमोला के हाल ही दिए गए एक बयान से उनके फैंस हैरान है। अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक के बाद आकांक्षा ने कहा है कि वह अब दोबारा शादी नहीं करेंगी और अपनी बाकी की जिंदगी अकेले ही गुजारने की इच्छा रखती हैं। यह घोषणा उन्होंने नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो के ताजा एपिसोड में अपनी करीबी दोस्त और सह-प्रतियोगी पामेला सेरेना के साथ बातचीत के दौरान की। आकांक्षा के इस निर्णय ने उनके प्रशंसकों और शो के दर्शकों के बीच नई बहस छेड़ दी है, क्योंकि यह एक सार्वजनिक हस्ती के लिए एक साहसिक कदम है। शो में आकांक्षा अपनी दोस्त पामेला सेरेना के साथ जेल की कोठरी में अपनी जिंदगी के बारे में दिल की बातें साझा कर रही थीं। उन्होंने पामेला को बताया कि जब उनकी शादी गौरव खन्ना से हुई थी, तब उनकी उम्र केवल 24 साल थी। इस पर पामेला ने उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह अभी भी युवा हैं और उन्हें आगे चलकर कोई अच्छा जीवनसाथी मिल सकता है। लेकिन आकांक्षा ने दृढ़ता से जवाब दिया, नहीं, मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। मेरा मन अब शादी से भर गया है। उनके इस बयान में उनकी पिछली अनुभवों की गहरी छाप महसूस की जा सकती है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन जिंदगी में पहली बार मैं अकेले रहूंगी। न मैं अपने माता-पिता के घर रहूंगी और न ही पति के घर। मेरा अपना घर होगा और मैं आगे की ज़िंदगी अकेले ही बिताऊंगी। यह बयान आकांक्षा की स्वतंत्रता और आत्म-निर्भरता की ओर बढ़ने की इच्छा को दर्शाता है, जो कई महिलाओं के लिए प्रेरणादायक हो सकता है। फिलहाल, लॉक अपः सच या सजा का दूसरा सीजन फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं, जिसमें आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई लोकप्रिय चेहरे प्रतियोगी के तौर पर नजर आ रहे हैं। लॉक अप का प्रारूप ही ऐसा है जहाँ प्रतियोगियों को अपने गहरे राज़ और व्यक्तिगत सच सामने लाने पड़ते हैं। दूसरे सीजन में भी 6 हफ्तों तक 14 कैदी, दो जेलर और एक लॉक-अप है, जहाँ कैदियों को खाना, जरूरी सामान और दूसरी बुनियादी सुविधाएं पाने के लिए टास्क पूरे कर इन-गेम करेंसी कमानी होती है, जो उन्हें भावनात्मक रूप से कमजोर करती है और सच बोलने पर मजबूर करती है। इस शो का पहला सीजन साल 2022 में आया था, जिसे कंगना रनौत ने होस्ट किया था और करण कुंद्रा जेलर की भूमिका में थे, जिसके विजेता मुनव्वर फारूकी बने थे।

सिल्क साड़ी में जाह्नवी कपूर ने बिखेरा जलवा

ट्रेडिशनल आउटफिट में लगाया बोल्डनेस का तड़का

बॉलीवुड की यंग और खूबसूरत एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपने बेहतरीन फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन लेटेस्ट तस्वीरों में जाह्नवी का एक अलग ही अंदाज देखने को मिल रहा है, जहां उन्होंने भारतीय परंपरा को बोल्डनेस के साथ पेश किया है। तस्वीरों में जाह्नवी कपूर ने एक बेहद खूबसूरत लैवेंडर और गोल्डन शेड वाली सिल्क साड़ी पहनी हुई है। साड़ी का बॉर्डर काफी हैवी है, जो इसे बेहद रॉयल लुक दे रहा है। साड़ी के साथ जाह्नवी ने मैचिंग स्ट्रैपलेस स्टाइल ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके इस एथनिक लुक में मॉडर्न और ग्लैमरस टच जोड़ रहा है। तस्वीरों में जाह्नवी एक से बढ़कर एक सेक्सी और अट्रैक्टिव पोज देते नजर आ रही हैं। वह अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। उनके इन बोल्ड पोज ने ट्रेडिशनल लुक में भी हॉटनेस का तड़का लगा दिया है। जाह्नवी ने न्यूड-ग्लॉसी लिपस्टिक, सटल मेकअप, विंग्ड आईलाइनर और माथे पर एक छोटी सी बिंदी के साथ अपने चेहरे की खूबसूरती को निखारा है। इस रॉयल लुक को पूरा करने के लिए जाह्नवी ने अपने बालों का एक नीट और क्लीन स्लीक जूड़ा बनाया हुआ है, जिसे पारंपरिक हेयर एक्सेसरीज से सजाया गया है। ज्वेलरी की बात करें तो उन्होंने गले में एक बेहद हैवी कुंदन और पर्ल का चोकर नेकलेस, मैचिंग झुमके, हाथों में ढेर सारी खूबसूरत चूड़ियां, बाजूबंद और अंगूठियां पहनी हुई हैं, जो उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं।

मानसून के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियों को धोते समय इन बातों का रखें ध्यान

मानसून के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियां कीटों और बैक्टीरिया से अधिक प्रभावित होती हैं। इसलिए इन्हें इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह से धोना बहुत जरूरी है। हालांकि, कई लोग इन सब्जियों को सामान्य पानी से ही धो देते हैं, जो कि सही तरीका नहीं है। आइए आज हम आपको हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप कीटों और बैक्टीरिया से छुटकारा पा सकते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के लिए नमक का पानी सबसे अच्छा तरीका है। इसके लिए एक बाल्टी पानी लें और उसमें एक बड़ी चम्मच नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण में हरी पत्तेदार सब्जियों को 10-15 मिनट के लिए भिगोकर छोड़ दें। इससे कीट और गंदगी आसानी से निकल जाएगी और सब्जियां ताजगी से भरी रहेंगी। नमक का पानी बैक्टीरिया को भी खत्म करता है, जिससे सब्जियां सुरक्षित रहती हैं। सिरका एक बढ़िया उपाय है, जो हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में दो बड़े चम्मच सिरका मिलाएं और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5-10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें। यह तरीका सब्जियों को ताजगी से भरा रखता है और उन्हें सुरक्षित भी बनाता है। नींबू का रस भी हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के लिए अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में एक नींबू का रस निचोड़ें और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5-10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न

केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें। बेकिंग सोडा एक ऐसा पदार्थ है, जो हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5-10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें। गर्म पानी का उपयोग करके भी आप हरी पत्तेदार सब्जियों को अच्छे से धो सकते हैं। इसके लिए एक बर्तन में गर्म पानी भरें और उसमें एक चम्मच नमक मिलाएं। अब हरी पत्तेदार सब्जियों को इस पानी में डालकर 5-10 मिनट तक छोड़ दें। इससे कीट और गंदगी निकल जाएगी, बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को ठंडे पानी से धो लें।

खुद को उसी रूप में स्वीकारें, जैसी आप हैं: स्मृति ईरानी

हाल ही में अभिनेत्री से राजनेता बनीं स्मृति ईरानी ने नारीत्व का जश्न मनाते हुए महिलाओं के लिए एक बेहद प्रेरणादायक संदेश साझा किया है। वोइला गीत का जिक्र करते हुए स्मृति ने महिलाओं से खुद को उसी रूप में स्वीकार करने का आग्रह किया, जैसी वे हैं। उन्होंने महिलाओं को अपनी सच्चाई बोलने और कभी भी खुद पर शक करके अपनी अहमियत कम न करने की सलाह दी। उनके अनुसार, दुनिया को उनकी जरूरत उसी रूप में है, जैसी वे हैं, न कि किसी और की नकल के रूप में। यह संदेश आधुनिक समाज में महिलाओं के आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास के महत्व पर जोर देता है। एक देवी की आधुनिक पेंटिंग के पास बैठी अपनी तस्वीर साझा करते हुए स्मृति ने अपने पोस्ट में लिखा, बारबरा प्रावी ने यह गीत गाया था और एमा ने इसे लाखों लोगों के दिलों तक पहुंचाया। दो असाधारण महिलाएं, दो अलग-अलग सफर और एक ऐसी याद, जो हमेशा ताजा रहेगी। उन्होंने इस गीत और इन कलाकारों का उदाहरण देते हुए कहा कि हर महिला की आवाज़ सुने जाने लायक होती है और हर किसी की कहानी मायने रखती है। स्मृति ने आगे कहा, यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताया जाना चाहिए। एक ऐसी ज़िंदगी है, जिसे देखा और समझा जाना चाहिए। एक ऐसा जज़्बा है, जिसकी सराहना की जानी चाहिए। हम अक्सर अपनी ज़िंदगी का बड़ा हिस्सा दुनिया की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश में बिता देते हैं। ऐसे में कई बार हम उस शांत हिम्मत को भूल जाते हैं, जो सिर्फ खुद जैसा बनने के लिए जरूरी होती है। उनका यह कथन उन सामाजिक दबावों को उजागर करता है जिनसे महिलाएं अक्सर जूझती हैं। एक्ट्रेस ने आगे सलाह दी, अगर आज आप खुद पर शक कर रहे हैं, यह सोच रहे हैं कि क्या आप पर्याप्त हैं, या किसी और की सोच के अनुसार खुद को बदलने या छोटा करने की कोशिश कर रहे हैं, तो ऐसा न करें। उनके मुताबिक, महिलाओं को अपनी पहचान के साथ खड़े रहना चाहिए। उन्होंने सशक्त शब्दों में कहा, अपनी जगह बनाओ। सच कहो। अपने ज़ख्मों को अपनाओ। अपनी ताकत का जश्न मनाओ। स्मृति ईरानी का यह संदेश महिलाओं को अपनी कमजोरियों और ताकत दोनों को स्वीकार करने, अपनी गलतियों से सीखने और अपने अनुभवों पर गर्व करने के लिए प्रेरित करता है।

Pune building collapse exposes gross failure of state govt, says Supriya Sule

Pune (Agency): Nationalist Congress Party (SP) MP Supriya Sule has said that the loss of life in the building collapse incident at the Moshi garbage depot in Pune is "heart-wrenching" and exposes "gross failure" of the state government and the administration. The incident occurred at around 1:30 p.m. on Wednesday when a massive mound of garbage gave way and crashed onto the administrative building located inside the Moshi garbage depot operated by the Pimpri-Chinchwad Municipal Corporation. At the time of the collapse, a total of 23 people were trapped.

Meanwhile, the death toll in the Moshi garbage dump collapse in Pune's Pimpri-Chinchwad has increased to eight after rescue teams recovered the bodies of seven more victims from the damaged administrative building of the Waste-to-Energy project on Saturday, officials said on Sunday.

"This incident is extremely tragic and unfortunate. The loss of lives in this event, which exposes a gross failure at the governmental and administrative levels, is heart-wrenching," she said in a post on X.

She stated that this incident is a clear example of governmental and administrative negligence and demanded strict action against those responsible. "This incident has brought to the forefront several issues, including the lax solid waste management in cities, and it is essential that these be discussed in detail and resolved accordingly," Sule said.

She also visited Sainath Hospital on Saturday night to meet the workers injured in the accident and inquire about their condition. During the visit, the injured workers recounted the harrowing details of the incident.

The NCP (SP) MP also consulted with the hospital's doctors and officials, issuing instructions to ensure the injured received prompt and high-quality medical treatment. Sule demanded an impartial and thorough investigation into the entire matter and called for strict action against the guilty. She also urged that appropriate compensation be provided to the families of the deceased and to the injured workers.

"I request the government to conduct a thorough investigation into this accident. Those found guilty in this investigation should face appropriate action at the earliest. My heartfelt condolences to the workers who lost their lives in this incident. We all share in the immense grief that has befallen their families," she added.

Supriya Sule emphasised that formulating clear and effective policies for solid waste management and recycling in major cities is the need of the hour. She stated that strict systems -- incorporating scientific methods and defined timelines -- must be implemented for waste management in every city to prevent such tragic incidents from recurring in the future.

She paid heartfelt tributes to all the workers who lost their lives in the accident and expressed her condolences to the bereaved families.

Meanwhile, one individual, believed to be buried beneath the garbage mound adjacent to the collapsed building, remains missing. Rescue personnel continue to carry out the search operation on a war footing. Officials said NDRF dog squads, along with specialised search equipment, are being used to locate the missing person.

Fresh tension grips Manipur as houses torched in Imphal West, security averts major clash, two held

Imphal (Agency): Fresh tension gripped Manipur's Imphal West district after miscreants allegedly torched several houses belonging to members of the Meitei community in the Kanto Sabal area, pushing the already volatile region to the brink of another major confrontation. Two suspected accused were arrested for their involvement in arson and mob violence, officials said on Saturday. Manipur Chief Minister Yumnam Khemchand Singh strongly condemned the incident.

The Chief Minister's Office in a post on its official X account said: "Chief Minister Yumnam Khemchand Singh today condemned the arson incident at Kanto Sabal village in Imphal West district and said that two accused individuals, including Kammang Lhouvum, Chief of Hengjang Village and Chairman of Leimakhong Area Protection Committee, have been arrested for involvement in arson and mob violence." Chief Minister Singh said that the state government has taken swift action to control the mob, is closely monitoring the situation, and has deployed state police and Central Armed Police Forces (CAPF) in the area to contain it.

All security forces stationed there have been instructed to prevent recurrence of such incidents in the future, the Chief Minister added. He also said that the state government is very concerned on the way such an incident erupted after a long period of peace in the state and considers it an attempt to derail the ongoing peace efforts. This incident underscores the presence of certain elements who, driven by vested interests, are actively working against the peace efforts, he added. A senior police official said that following the arson, a mob of nearly 600 men and women attempted to advance towards Kanto Sabal areas. The security forces intervened promptly and prevented the mob from moving forward, thereby averting a potential communal clash, the official added. He said that an attempt by miscreants to set fire to more abandoned houses was also swiftly contained, ensuring that there was no loss of life. A case has been registered in connection with the incident, and further investigation is underway. Security forces remained on standby in the area and continued intensive deployment to maintain peace, law and order. The arson triggered panic across the locality, with hundreds of people belonging to the Meitei and Naga communities converging near Kanto Sabal in an attempt to extinguish the blaze. A massive deployment of Central security forces prevented the gathering from advancing towards the affected area, while tear gas shells were fired to disperse the crowd and prevent the situation from spiralling out of control. Local residents alleged that the security forces failed to protect the houses from the attack by suspected Kuki miscreants, claiming that the houses were set ablaze despite the presence of security personnel. According to local people, a large number of individuals from the adjoining mountainous Kangpokpi district descended on parts of the Kanto Sabal area in Imphal West district and torched several houses belonging to members of the Meitei community.

The houses had remained abandoned since ethnic violence erupted in Manipur in May 2023. The locality is situated on the fringe of the Imphal Valley, adjoining the Kuki-majority Kangpokpi district, making it a sensitive area from the security perspective. On noticing the houses engulfed in flames, a large number of people from nearby localities rushed towards Kanto Sabal in an attempt to reach the affected area. However, they were stopped by the security forces, leading to a confrontation between the locals and the security personnel. The situation remained tense but under control, with security personnel maintaining a strong vigil in the area to prevent any further escalation of violence.

Over 31,000 cops, 240-plus observation points among extensive security measures for Ahmedabad's Rath Yatra

Gandhinagar (Agency): More than 31,000 police personnel will be deployed for the 149th Rath Yatra of Lord Jagannath in Ahmedabad on July 16, with the procession to be monitored through over 240 terrace observation points, 65 drones and more than 2,800 body-worn cameras as part of what the city police described as a "zero-risk" security strategy. The security and civic arrangements for the annual procession were reviewed by Gujarat Chief Minister Bhupendra Patel at a high-level meeting in Gandhinagar ahead of the Ashadhi Bij festival, when the traditional Rath Yatra will take place.

The Chief Minister also directed the police to ensure the peaceful and safe conduct of around 230 Rath Yatras scheduled across Gujarat, including six mini Rath Yatras in Ahmedabad city, so that devotees can participate without disruption and that every possible precaution is taken to prevent any untoward incident. During the meeting, Chief Minister Patel instructed the Ahmedabad Municipal Commissioner Banchhanidhi Pani to make strict arrangements to prevent people from gathering around dilapidated buildings and structures located along the Rath Yatra route for viewing the procession.

Ahmedabad Police Commissioner Anupam Singh Gahlaut gave a presentation on the preparations being made for the event, saying that "the city police are working with complete alertness and preparedness to ensure the procession passes off peacefully under a 'zero-risk' approach with the deployment of more than 31,000 police personnel". According to the presentation, Ahmedabad City Police will oversee the procession through more than 240 terrace observation points, 65 drones and over 2,800 body-worn cameras.

The Ahmedabad Municipal Corporation will also deploy 15 medical officers, 100 health personnel, 31 fire vehicles and 237 fire service personnel during the event. The 16-km Rath Yatra of Lord Jagannath will feature 101 trucks, 30 akhadas and 18 bhajan mandalis participating in the procession.

As part of preparations to maintain peace and communal harmony, Ahmedabad Police have organised 69 Peace Committee meetings, 79 Mohalla Committee meetings and around 178 meetings with religious leaders from different communities before the procession. Police Commissioner Gahlaut said: "Blood donation camps, night cricket and volleyball matches, Lok Dayra cultural programmes and interaction sessions with Gen Z had also been organised to further strengthen communal harmony." The review meeting was attended by Chief Secretary M.K. Das; Director General of Police (DGP) G.S. Malik; and other senior officials.

Vaigai dam level rises, easing drinking water concerns in five TN districts

Madurai (Agency): The water level in the Vaigai Dam, the primary source of drinking water and irrigation for five districts in southern Tamil Nadu, has risen significantly over the past few weeks, providing much-needed relief after fears of an impending water shortage triggered by a weak southwest monsoon. Located near Andipatti in Theni district, the 71-foot-high Vaigai Dam supplies water to Theni, Dindigul, Madurai, Sivaganga and Ramanathapuram districts. However, the southwest monsoon, which began in June, has remained below expectations, resulting in poor inflows into the reservoir and raising concerns about water availability during the coming months. Last month, the water level in the dam had dropped sharply to just 20 feet, prompting fears of a severe drinking water crisis in the five districts that depend heavily on the reservoir. The declining storage also casts uncertainty over irrigation prospects for the current agricultural season. The situation, however, improved after the catchment areas of the Mullaperiyar Dam received moderate rainfall. As inflows into Mullaperiyar increased, authorities released 300 cubic feet per second (cusecs) of water into the Vaigai Dam, gradually replenishing its storage

despite the continued weak monsoon over much of the region. According to the latest figures, the water level in the Vaigai Dam has now risen to 34 feet, marking a substantial recovery from last month's low. Public Works Department (PWD) officials said the available storage is sufficient to ensure uninterrupted drinking water supply to all dependent regions for the next two months. Officials said the rise in the reservoir level has effectively removed the immediate threat of drinking water scarcity in the five districts. Nevertheless, they cautioned that the reservoir has not yet reached a level that would permit the routine release of water for irrigation. Under normal circumstances, water is released from the Vaigai Dam in June every year for the first irrigation season in parts of Madurai and Dindigul districts.

Bomb threat at Mumbai's Taj Hotel declared hoax after security check

Mumbai (Agency): A bomb threat targeting the iconic Taj Hotel in Mumbai triggered a security alarm, prompting police and security agencies to conduct a comprehensive search operation at the premises before declaring that the threat was a hoax, said police on Sunday. According to officials, the Taj Hotel was placed on high alert after, at around 12:13 a.m., a man called the Navi Mumbai Police Control Room and allegedly claimed, "Dawood has planted a bomb at the Taj Hotel". The information was immediately relayed to the Mumbai Police Main Control Room. Following the alert, teams from the Colaba Police, the Crime Branch, and the Bomb Detection and Disposal Squad (BDDS) rushed to the Taj Hotel and launched an extensive security check. The hotel's main lobby, swimming pool, banquet halls, restaurants, parking area, outer premises, and other sensitive locations were thoroughly searched. After an exhaustive inspection, police confirmed that no suspicious object or explosive was found on the premises. The bomb threat was found to be a hoax. Technical investigation revealed that the threatening call originated from the Turbhe area of Navi Mumbai. Police have launched a search to identify and arrest the caller based on the mobile number used. Authorities are working with the Turbhe Police to trace and apprehend the suspect. The iconic hotel in the city's Colaba area was one of the primary targets in the 26/11 Mumbai terror and hundreds injured.

Kashmir advocacy group to intensify fight against drug addiction, women to lead awareness drive

Srinagar (Agency): The Kashmir Women's Organisation (KWO) has said the organisation will significantly intensify its campaign against drug addiction by placing women at the forefront of awareness, prevention and rehabilitation efforts under the Nasha Mukt Bharat campaign. Speaking to IANS on Saturday, KWO Chairperson Darakhshan Hassan Bhat, a PhD scholar, said that the KWO will expand awareness programmes, strengthen family support systems, facilitate counselling and rehabilitation through experts, and encourage women struggling with substance abuse to seek treatment without fear or social stigma. "The Lieutenant Governor, during the Gender Equity Fellowship event, asked us what we were doing under the Nasha Mukt Bharat campaign. We have already organised awareness drives and community outreach programmes, but now the time has come to accelerate our efforts," she said. Emphasising the wider social impact of drug abuse, Bhat said women are often the worst affected by addiction either directly or as mothers, daughters, wives and sisters of those battling substance abuse. She said empowering women is crucial to building stronger families and communities capable of resisting the menace of drugs. She added that women have the

potential to become powerful agents of social change and must play a leading role in the fight against addiction. Referring to the government's 100 days Nasha Mukt Abhiyan initiative, she said thousands of women had participated, and KWO is now preparing a comprehensive action plan to further strengthen its contribution in the coming months. Highlighting the organisation's achievements, Bhat said, "The KWO has directly engaged more than 20,000 women and reached over eight million people through digital platforms. The creation of a strong network of women leaders is one of the organisation's biggest accomplishments." She said that the KWO promotes women's leadership through initiatives such as the Gender Equity Fellowship, which equips participants with skills in leadership, communication, constitutional awareness, public policy, digital literacy and community engagement.